

मोदी की गारंटी पूरी करे सरकार, केंद्र के समान छ-छक्रुदेने मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री को पत्र

रायपुर। छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन ने प्रदेश के शासकीय कर्मचारियों एवं पेंशनरों को केंद्र सरकार के समान लंबित 5 प्रतिशत महंगाई भत्ता (छ) एवं महंगाई राहत (छक्रु) का भुगतान एरियर सहित दीपावली से पहले करने की मांग की है। इस संबंध में फेडरेशन के प्रांतीय संयोजक एवं छत्तीसगढ़ राजपत्रित अधिकारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष कमल वर्मा ने



मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय एवं वित्त मंत्री श्री ओ. पी. चौधरी को पत्र भेजकर शीघ्र निर्णय लेने तथा आवश्यक निर्देश जारी करने का आग्रह किया है।

फेडरेशन ने अपने पत्र में कहा है कि भारतीय जनता पार्टी ने अपने

घोषणा पत्र में प्रदेश के शासकीय सेवकों को केंद्र के समान महंगाई भत्ता एरियर सहित देने का वादा किया था। वर्तमान में प्रदेश के कर्मचारियों को 58 प्रतिशत महंगाई भत्ता मिल रहा है, जबकि फेडरेशन के अनुसार केंद्र सरकार की दर की

तुलना में राज्य में 5 प्रतिशत की कमी है। ऐसे में राज्य के कर्मचारियों एवं पेंशनरों को केंद्र के समान महंगाई भत्ता एवं महंगाई राहत का लाभ दिया जाना चाहिए। कमल वर्मा ने कहा कि बढ़ती महंगाई के कारण कर्मचारियों एवं



पेंशनरों के परिवारों पर आर्थिक दबाव बढ़ रहा है। दैनिक उपयोग की वस्तुओं, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं अन्य आवश्यकताओं पर होने वाले खर्च में लगातार वृद्धि हो रही है। ऐसी स्थिति में लंबित महंगाई भत्ते

एवं महंगाई राहत का भुगतान एरियर सहित करना कर्मचारियों एवं पेंशनरों को वास्तविक राहत प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन की 6

सितंबर को आयोजित प्रांतीय बैठक में सर्वसम्मति से दीपावली पूर्व लंबित महंगाई भत्ता एरियर सहित जारी करने की मांग को लेकर शासन से पत्राचार करने का निर्णय लिया गया था। बैठक में यह भी

निर्णय लिया गया था कि शासन द्वारा शीघ्र सकारात्मक पहल नहीं किए जाने पर फेडरेशन अपने अधिकारों की रक्षा के लिए आंदोलनात्मक कदम उठाने को बाध्य होगा।

फेडरेशन ने राज्य सरकार से मांग की है कि घोषणा पत्र में किए गए वादे के अनुरूप केंद्र के समान लंबित 5 प्रतिशत महंगाई भत्ता एवं महंगाई राहत देय तिथि से एरियर सहित स्वीकृत कर दीपावली से पहले भुगतान सुनिश्चित किया जाए। फेडरेशन ने आशा व्यक्त की है कि राज्य सरकार कर्मचारियों एवं पेंशनरों की भावनाओं और आर्थिक हितों को ध्यान में रखते हुए शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेगी।

दवनकरा धान खरीदी केंद्र में हमाली भुगतान को लेकर किसानों में नाराजगी

2025-26 सहित पूर्व वर्षों की बकाया राशि देने की मांग, भुगतान नहीं होने पर सड़क पर उतरकर आंदोलन की चेतावनी

जाह्निक अंसारी -सूरजपुर विकासखंड प्रतापपुर के दवनकरा धान उपाजर्जन केंद्र में हमाली भुगतान नहीं मिलने को लेकर किसानों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। किसानों ने 27 अक्टूबर 2026 को सामूहिक बयान जारी कर आरोप लगाया कि वर्ष 2025-26 सहित पूर्व वर्षों में धान की तौल, सिल्लाई और स्टैकिंग का कार्य करने के बावजूद उन्हें मेहनताना नहीं मिला है। किसानों ने संबंधित विभाग से बकाया राशि का तत्काल भुगतान करने की मांग की है।

किसानों के अनुसार, समिति प्रबंधन की ओर से हमाली की राशि बैंक खातों में जमा कराने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन भुगतान अब तक नहीं होने से उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। किसानों का सवाल है कि जब उनके द्वारा कार्य किया गया है, तो मेहनताने की राशि आखिर किस आधार पर रोकी गई है?

भुगतान की स्थिति स्पष्ट करने की मांग- किसानों का कहना है कि हमाली भुगतान को



लेकर लगातार शिकायतें और विरोध सामने आने के बावजूद अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकल पाया है। ऐसे में संबंधित विभाग को भुगतान संबंधी अभिलेखों की जांच कर यह साफकरना चाहिए कि किन किसानों का कितना भुगतान लंबित है, राशि स्वीकृत हुई है या नहीं और भुगतान में देरी की वजह क्या है।

किसानों ने मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर पात्र किसानों के खातों में बकाया राशि तत्काल जमा कराई जाए, ताकि उन्हें अपनी मेहनत का उचित

पारिश्रमिक मिल सके।

भुगतान नहीं हुआ तो आंदोलन की चेतावनी- किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी हमाली की बकाया राशि का जल्द भुगतान नहीं किया गया, तो वे सड़क पर उतरकर आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे। अब देखना होगा कि संबंधित अधिकारी किसानों की शिकायत को कितनी गंभीरता से लेते हैं और भुगतान की समस्या के समाधान के लिए क्या कदम उठाते हैं।

जिला स्तरीय राज्योत्सव का आयोजन 2 नवंबर को, सांसद संतोष पाण्डेय होंगे मुख्य अतिथि

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के 26 वर्ष पूर्ण होने पर पीजी कॉलेज मैदान में होगा जिला स्तरीय आयोजन

कवर्धा, छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर राज्य गठन के 26 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 2 नवंबर 2026 को कबीरधाम जिले में भव्य जिला स्तरीय राज्योत्सव का आयोजन किया जाएगा। कवर्धा स्थित पीजी कॉलेज मैदान में आयोजित इस समारोह में राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र के सांसद संतोष पाण्डेय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। सांसद श्री संतोष पाण्डेय की मुख्य उपस्थिति में आयोजित होने



वाला यह राज्योत्सव छत्तीसगढ़ की गौरवशाली यात्रा, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और विकास की उपलब्धियों को प्रदर्शित करने का अवसर होगा। राज्य स्थापना के 26 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित इस जिला स्तरीय समारोह के माध्यम से छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति, परंपराओं और विकास की दिशा में हुए प्रयासों को रेखांकित किया जाएगा।

‘नारी शक्ति : कल, आज और कल’ विषय पर व्याख्यान, पोस्टर निर्माण एवं नारा लेखन प्रतियोगिता आयोजित

जनता के गोठ* पाटन। शासकीय चंद्रलाल चंदाकर स्नातकोत्तर महाविद्यालय पाटन में महिला सशक्तिकरण सेल एवं आईक्यूएसी के संयुक्त तत्वावधान में ‘नारी शक्ति : कल, आज और कल’ विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में बेटियों के बढ़ते कदम तथा नेतृत्व में नारी की भूमिका के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत के निर्माण पर विचार व्यक्त किए गए। इस अवसर पर व्याख्यान के साथ विद्यार्थियों के लिए पोस्टर निर्माण एवं नारा लेखन प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य डॉ. पुष्पा मिंज ने लैंगिक समानता पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि पाटन महाविद्यालय में प्रवेशित विद्यार्थियों में लगभग तीन-चौथाई छात्राएँ हैं, जो महिला सशक्तिकरण का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी को बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। साथ ही पोस्टर प्रतियोगिता की विजेता एमएससी



रसायनशास्त्र की छात्राएँ डाली एवं अक्वनी तिवारी तथा उपविजेता एमए भूगोल के छात्र खिलेश के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। रसायनशास्त्र विभागाध्यक्ष जागृत कुमार ने पाटन विकासखंड के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए बताया कि एक समय क्षेत्र की विभिन्न शासकीय संस्थाओं में प्रमुख पदों पर महिलाओं की उपस्थिति रही, जो गौरव की बात है।

राजनीति विज्ञान के अतिथि व्याख्याता चंद्रशेखर देवांगन ने भारतीय राजनीतिक व्यवस्था में महिलाओं की स्थिति और उनके संवैधानिक अधिकारों की जानकारी दी। वहीं रसायनशास्त्र के अतिथि

व्याख्याता डॉ. पोखराज शर्मा ने महिलाओं की सामाजिक स्थिति पर विचार रखते हुए उसमें सुधार के लिए आवश्यक सुझाव प्रस्तुत किए। महिला सशक्तिकरण सेल की सदस्य रागिनी साहू ने शासकीय सेवाओं में महिलाओं के लगातार चयन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

कार्यक्रम का संचालन आईक्यूएसी संयोजक डॉ. अरुणा साव ने किया तथा आभार प्रदर्शन भूगोल विभाग की सहायक प्राध्यपक श्रीमती ज्योति कुर्रे ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

बेमौसम बारिश ने किसानों की तोड़ी कमर, धान-सोयाबीन और टमाटर की फसल बर्बाद

कबीरधाम जिले में चक्रवात के असर से फसलों को नुकसान, मुआवजे की आस में किसान

कवर्धा। चक्रवात के असर से छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले में हुई बेमौसम बारिश ने किसानों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। खेतों में पककर तैयार खड़ी धान, सोयाबीन और टमाटर की फसलों को बारिश से भारी नुकसान होने की आशंका है। जिन फसलों को किसान जल्द ही काटकर बाजार तक पहुंचाने की तैयारी कर रहे थे, उन पर मौसम की मार पड़ने से उनकी मेहनत पर पानी फिरता नजर आ रहा है। आर्थिक रूप से कमजोर किसान अब नुकसान की भरपाई के लिए सरकार से मुआवजे की मांग कर रहे हैं। दरअसल, कबीरधाम जिले में बड़ी संख्या में किसान खेती-किसानी पर



निर्भर हैं। इस साल किसानों ने धान, सोयाबीन और टमाटर की फसल से अच्छी पैदावार और आमदनी की उम्मीद लगाई थी। फसलें पककर तैयार होने लगी थीं और कटाई का समय भी नजदीक था। इसी बीच बेमौसम बारिश ने किसानों की

चिंता बढ़ा दी है। खेतों में खड़ी फसलों पर बारिश का प्रतिकूल असर पड़ने से उत्पादन प्रभावित होने की आशंका है। वहीं, सब्जी उत्पादक किसानों को भी नुकसान उठाना पड़ सकता है। किसानों का कहना है कि खेती के

लिए बीज, खाद, कीटनाशक और मजदूरी पर पहले ही काफी खर्च हो चुका है। ऐसे में तैयार फसल खराब होने से उनकी आर्थिक स्थिति पर गंभीर असर पड़ सकता है। कई किसान फसल से होने वाली आमदनी के भरोसे परिवार का खर्च चलाने और कृषि संबंधी कर्ज चुकाने की योजना बना रहे थे।

अब किसानों की नजर प्रशासन और सरकार पर टिकी है। किसानों की मांग है कि प्रभावित क्षेत्रों में जल्द सर्वे कराया जाए और फसलों को हुए नुकसान का आकलन कर पात्र किसानों को उचित मुआवजा दिया जाए, ताकि उन्हें आर्थिक संकट से राहत मिल सके।

हालांकि, नुकसान की वास्तविक स्थिति का पता विस्तृत सर्वे के बाद ही चल सकेगा। किसानों को उम्मीद है कि प्रशासन जल्द कार्रवाई कर उन्हें राहत पहुंचाएगा।

बस्तर में बाढ़ प्रभावित परिवारों की मदद को आगे आया एनएमडीसी कुरुषपाल, कोहकापाल, मालगांव, बाद धनौरा और बड़े चकवा समेत कई ग्राम पंचायतों में सीएसआर के तहत तिरपाल शीट्स का वितरण

भुजबल बघेल कबावंड जनता के गोठ। बस्तर में पहले से बाढ़ की मार झेल रहे ग्रामीणों की मुश्किलें चक्रवात ‘अनंब’ के प्रभाव से हुई बारिश ने और बढ़ा दी हैं। ऐसे कठिन समय में एनएमडीसी लिमिटेड ने प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए पहल की है। कंपनी ने निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के तहत कुरुषपाल, कोहकापाल, मालगांव, बाद धनौरा और बड़े चकवा सहित कई ग्राम पंचायतों में प्रभावित परिवारों को बारिश से बचाव के लिए सैकड़ों तिरपाल शीट्स वितरित कीं।

गुरुवार को ग्राम पंचायत बड़े चकवा में आयोजित राहत सामग्री वितरण कार्यक्रम में बस्तर सांसद महेश कश्यप विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने अपने हाथों से प्रभावित ग्रामीणों को तिरपाल शीट्स प्रदान कीं। इस अवसर पर पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष मनीराम कश्यप, जनपद सदस्य रमेश कश्यप, बड़े चकवा की सरपंच जनक कश्यप, बोदरा के सरपंच चक्र कश्यप, राम धर ठाकुर, महाजन बघेल सहित बड़ी संख्या में



ग्रामीण मौजूद रहे।

इससे पहले बुधवार को बकावंड विकासखंड के ग्राम कुरुषपाल स्थित शासकीय विद्यालय परिसर में भी राहत सामग्री वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यहां सीएसआर के तहत प्रभावित परिवारों को तिरपाल शीट्स उपलब्ध कराई गईं।

बाढ़ के दौरान मोटर बोट

उपलब्ध कराने पर जताया आभार

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद महेश कश्यप ने कहा कि बस्तर के विकास में एनएमडीसी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। कंपनी द्वारा सीएसआर के तहत किए जा रहे कार्यों से क्षेत्र के लोगों को लाभ मिल रहा है। उन्होंने बाढ़ के दौरान त्वरित पहल करते हुए

चार मोटर बोट उपलब्ध कराने के लिए एनएमडीसी की सराहना की। सांसद ने कहा कि इससे प्रभावित ग्रामीणों तक तत्काल राहत पहुंचाने में मदद मिली। उन्होंने कंपनी के सीएमडी अमिताभ मुखर्जी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनका बस्तर के लोगों के प्रति विशेष लगाव प्रशंसनीय है।

प्रभावित परिवारों को

हरसंभव सहायता का भरोसा एनएमडीसी स्टील लिमिटेड के अधिशासी निदेशक प्रमोद कुमार ने कहा कि कंपनी स्थानीय लोगों के हितों और कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा।

वहीं, एनएमडीसी के महाप्रबंधक (मानव संसाधन) एस. बाबजी ने कंपनी द्वारा बस्तर क्षेत्र में संचालित विभिन्न विकास कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि एनएमडीसी अपने परिचालन क्षेत्रों और आसपास के समुदायों के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है। प्राकृतिक आपदाओं एवं आपात परिस्थितियों में कंपनी स्थानीय प्रशासन और समुदायों के साथ समन्वय बनाकर प्रभावित परिवारों तक राहत पहुंचाने का कार्य करती है। तिरपाल शीट्स का वितरण इसी प्रतिबद्धता का हिस्सा है। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत कोहकापाल की सरपंच अंबाली बघेल और ग्राम पंचायत गुमडेल की सरपंच शर्मिला कश्यप सहित अन्य ग्रामप्रतिनिधि एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

जिम्मेदारों की जवाबदेही तय कर कार्रवाई की मांग, राहत सामग्री का वितरण नहीं होने पर उठाए सवाल

बाढ़ राहत सामग्री खराब होने पर निगम प्रशासन घिरा, महापौर से जवाब मांगेंगे राजेश चौधरी

ओमप्रकाश रजक/जनता के गोट

जगदलपुर। नगर पालिक निगम जगदलपुर में बाढ़ पीड़ितों के लिए प्राप्त खाद्य सामग्री के समय पर वितरण नहीं होने और सामग्री खराब होने के मामले को लेकर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल उठे हैं। निगम के नेता प्रतिपक्ष राजेश चौधरी ने इस मामले में महापौर और निगम प्रशासन से जवाब मांगा है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों तक पहुंचने वाली राहत सामग्री का कार्यालय में पड़े-पड़े खराब होना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

राजेश चौधरी ने कहा कि बाढ़ के दौरान अनेक परिवारों को भोजन और दैनिक जरूरतों के



लिए परेशानियों का सामना करना पड़ा। ऐसे संकट के समय राहत सामग्री का समय पर वितरण करना प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। इसके बावजूद यदि जरूरतमंदों के लिए

आई खाद्य सामग्री का उपयोग नहीं हुआ और वह खराब हो गई, तो यह गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने सवाल उठाया कि बाढ़ पीड़ितों के लिए कितनी खाद्य सामग्री प्राप्त हुई थी, उसका वितरण



किन क्षेत्रों में किया जाना था और अब तक कितनी सामग्री जरूरतमंदों तक पहुंचाई गई? यदि सामग्री खराब हुई है, तो इसके लिए जिम्मेदार कौन है? महापौर और निगम प्रशासन को इन सवालों का स्पष्ट जवाब जनता के सामने रखना चाहिए।

नेता प्रतिपक्ष ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने, खाद्य सामग्री की मात्रा और उसकी वर्तमान स्थिति सार्वजनिक करने तथा लापरवाही सामने आने पर जिम्मेदार अधिकारियों-कर्मचारियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग की।

उन्होंने कहा कि शेष उपयोग योग्य सामग्री तत्काल जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचाई जाए। आपदा पीड़ितों के लिए आई राहत सामग्री का सदुपयोग सुनिश्चित करना निगम की जिम्मेदारी है। जनता को केवल आश्वासन नहीं, बल्कि पारदर्शिता, जवाबदेही और उचित कार्रवाई चाहिए।

बस्तर जिला विक्केता संघ ने सांसद महेश कश्यप को सौंपा ज्ञापन

1 नवंबर से प्रस्तावित अनिश्चितकालीन हड़ताल के संबंध में रखी मांगें, सांसद ने उचित पहल का दिया आश्वासन

भुजबल बघेल बकावंड जनता के गोट। बस्तर जिला विक्केता संघ के प्रतिनिधिमंडल ने बस्तर लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्री महेश कश्यप से सौजन्य भेंट कर आगामी 1 नवंबर से प्रस्तावित अनिश्चितकालीन हड़ताल के संबंध में ज्ञापन सौंपा। इस दौरान प्रतिनिधियों ने संघ की विभिन्न मांगों एवं समस्याओं से सांसद को अवगत कराया।

सांसद महेश कश्यप ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुनते हुए आश्वासन



दिया कि आगामी बैठक में संघ की मांगों पर चर्चा की जाएगी। साथ ही, समस्याओं के निराकरण की दिशा में आवश्यक पहल करने की बात भी कही।

संघ के प्रतिनिधियों को उम्मीद है कि उनकी मांगों पर सकारात्मक चर्चा होगी और समस्याओं के समाधान के लिए उचित कदम उठाए जाएंगे।

चक्रवाती तूफ़ान से धान की फसल जमीन पर बिछी



कमल खूटे/जनता के गोट बिरां। क्षेत्र में पिछले दो दिनों से हो रही तेज हवा और मूसलाधार बारिश से किसानों को भारी नुकसान हुआ है। अर्नब चक्रवात के असर के चलते खेतों में खड़ी धान की फसल पूरी तरह गिर गई है, जिससे किसान चिंतित हैं। बिरां क्षेत्र सहित सोनादह गांव में धान की फसल पकने की कगार पर थी। लेकिन तेज हवाओं के कारण फसल जमीन पर बिछ गई है। खेतों में पानी भरने से फसल सड़ने का खतरा भी बढ़ गया है। सोनादह के किसान मोहन लाल खूटे का कहना है कि इस साल अच्छी पैदावार की उम्मीद थी, लेकिन इस बेमौसम चक्रवाती बारिश ने सारी मेहनत पर पानी फेर दिया है। अब फसल खराब होने से उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है।

पटवारी हड़ताल से किसान परेशान,तूफान से फसल बर्बाद; सरकार की चुप्पी पर मोती जांगड़े ने उठाए सवाल

महासमुंद। पूरे छत्तीसगढ़ में पटवारियों की हड़ताल के चलते राजस्व संबंधी कार्य प्रभावित हो रहे हैं। दूसरी ओर धान खरीदी का समय नजदीक आने के बावजूद किसान अपना रकबा जुटि कराने के लिए परेशान हैं। इसी बीच अर्नब तूफ़ान के प्रभाव से हुई बारिश और तेज हवाओं ने किसानों की फसलों को भारी नुकसान पहुंचाया है। ऐसी परिस्थिति में किसानों को राहत देने और उनकी समस्याओं का समाधान करने के बजाय सरकार की ओर से ठोस पहल नहीं दिखने पर जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व मीडिया प्रभारी मोती जांगड़े ने भाजपा सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं।

मोती जांगड़े ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि प्रदेश में किसान पहले ही खेती की बढ़ती लागत, खाद-बीज की व्यवस्था और धान खरीदी की तैयारियों को लेकर परेशान हैं। अब पटवारियों की हड़ताल ने उनकी मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। धान

खरीदी का समय नजदीक है, लेकिन किसान रकबा जुटि सुधार कराने के लिए भटक रहे हैं। सरकार को यह सुझाव चाहिए कि जब पटवारी हड़ताल पर हैं, तब किसानों के रकबा जुटि सुधार और अन्य जरूरी राजस्व कार्यों की व्यवस्था कैसे सुनिश्चित की जाएगी।

श्री जांगड़े ने कहा कि एक तरफ पटवारी हड़ताल पर हैं, दूसरी तरफ किसानों की फसलें तूफ़ान की मार से बर्बाद हो रही हैं। ऐसे में फसलों के नुकसान का आकलन कौन करेगा?



किसानों को समय पर मुआवजा दिलाने के लिए सरकार ने क्या व्यवस्था की है? यदि नुकसान का सर्वे ही समय पर नहीं होगा, तो प्रभावित किसानों को राहत कैसे मिलेगी? मोती जांगड़े ने कहा कि प्रदेश सरकार को पटवारियों की मांगों पर गंभीरता से विचार कर हड़ताल समाप्त कराने की पहल करनी चाहिए, ताकि किसानों के जरूरी काम बाधित न हों। साथ ही, तूफ़ान से प्रभावित गांवों में तत्काल सर्वे कराकर फसल क्षति का आकलन

किया जाए और प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा देने की प्रक्रिया शुरू की जाए।

उन्होंने कहा कि किसानों की समस्याओं को नजरअंदाज करके सरकार अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकती। मोती जांगड़े ने भाजपा सरकार से सवाल किया कि पटवारी हड़ताल के कारण धान पंजीयन में आ रही बाधाओं को दूर करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं? तूफ़ान से बर्बाद हुई फसलों का सर्वे कब होगा? किसानों को मुआवजा कब मिलेगा? सरकार को इन सवालों का स्पष्ट जवाब देना चाहिए।

उन्होंने मांग की कि पटवारियों की हड़ताल का शीघ्र समाधान किया जाए, रकबा जुटि सुधार की वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए और तूफ़ान से प्रभावित किसानों की फसलों का तत्काल सर्वे कराकर उन्हें उचित मुआवजा दिया जाए। किसानों को राहत देने में किसी भी प्रकार की देरी नहीं होनी चाहिए।

कोतवाली पुलिस की बड़ी कार्रवाई: हंडई शोरूम के सामने से एसी आउटडोर चोरी के मामले में 3 आरोपित गिरफ्तार

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में एसी का आउटडोर चोरी करने के मामले में कोतवाली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने चोरी करने वाले आरोपी के साथ चोरी का सामान खरीदने वाले दो खरीदारों को भी गिरफ्तार किया है। तीनों आरोपियों के कब्जे से चोरी का एसी आउटडोर, नगद रकम और एक मोबाइल फ़ोन जब्त किया गया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी प्रमोद कुमार यादव निवासी भदरापारा, बाल्को नगर, जिला कोरबा ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 21 अक्टूबर 2026 को हंडई शोरूम पहुंचने पर सामने लगा एसी का आउटडोर गायब

मिला। शिकायत के आधार पर थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 877/2026 दर्ज कर मामले की जांच शुरू की गई। विवेचना के दौरान पुलिस ने आरोपी गुड्डू बरेट से पूछताछ की। पूछताछ में उसने एसी का आउटडोर चोरी कर कृष्णा बसोड़ को बेचने की बात स्वीकार की। इसके बाद कृष्णा बसोड़ ने उक्त सामान सैफ खान उर्फ सोनू खान को बेचने की जानकारी दी। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चोरी का एसी आउटडोर, नगद रकम और एक मोबाइल फ़ोन जब्त किया। मामले में तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

कोतवाली पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गुड्डू बरेट (23 वर्ष), पिता स्व. पिप्रतु बरेट, निवासी शीतला मंदिर के पास,

मोतीसागरपारा, थाना कोतवाली, कोरबा। कृष्णा बसोड़ (22 वर्ष), पिता नारायण बसोड़, निवासी बसोड़ मोहल्ला, इमलीडुगू, थाना कोतवाली, कोरबा। सैफ खान उर्फ सोनू खान (22 वर्ष), पिता इफ्तखार आलम, निवासी इमलीडुगू, गौमाता चौक, थाना कोतवाली, कोरबा। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध क्रमांक 877/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 303(2), 317(2) और 3(5) के तहत कार्रवाई की है। तीनों आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। कोरबा पुलिस के अनुसार, जिले में चोरी और अन्य आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में लगातार कार्रवाई की जा रही है।

बस्तर ओलंपिक के लिए बकावंड में तैयारियां तेज, 30 अक्टूबर से जोन स्तरीय मुकाबले शुरू

2 से 4 नवंबर तक होगी विकासखंड स्तरीय प्रतियोगिता, कबड्डी, खो-खो और एथलेटिक्स में दम दिखाएंगे खिलाड़ी

ओमप्रकाश रजक /जनता के गोट , बस्तर। बस्तर ओलंपिक 2026 के तहत जनपद पंचायत बकावंड क्षेत्र में खेल प्रतियोगिताओं का कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। जारी कार्यक्रम के अनुसार, 30 और 31 अक्टूबर को जोन स्तरीय प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इसके बाद 2 नवंबर से 4 नवंबर 2026 तक विकासखंड स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा। प्रतियोगिता को लेकर क्षेत्र के युवाओं और खेल प्रतिभाओं में उत्साह का माहौल है। बस्तर ओलंपिक का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में छिपी खेल प्रतिभाओं को सामने लाना और युवाओं को खेल गतिविधियों से जोड़ना है। इस आयोजन



प्रतियोगिताओं में बकावंड विकासखंड का प्रतिनिधित्व कर सकेंगे। जनपद पंचायत बकावंड के अधिकारियों ने सभी ग्राम पंचायतों के सरपंचों, सचिवों और क्षेत्र के युवाओं से

के माध्यम से गांवों के खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने और आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। प्रतियोगिता में कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल, एथलेटिक्स सहित विभिन्न पारंपरिक खेलों में खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। जोन स्तरीय प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को विकासखंड स्तर पर खेलने का अवसर मिलेगा। इसके बाद चयनित खिलाड़ी जिला स्तरीय

प्रतियोगिता में अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की है। आयोजन के माध्यम से ग्रामीण युवाओं को खेल के प्रति प्रोत्साहित करने के साथ उनकी प्रतिभा को उचित मंच देने पर जोर दिया जा रहा है। बस्तर ओलंपिक के आयोजन से ग्रामीण अंचलों में खेल संस्कृति को बढ़ावा मिलने और युवाओं को अपनी क्षमता साबित करने का अवसर मिलने की उम्मीद है।

प्रतापपुर के वरिष्ठ पत्रकार महेंद्र गुप्ता का निधन, पत्रकारिता जगत में शोक

बनारस में उपचार के दौरान ली अंतिम सांस, मणिकर्णिका घाट पर हुआ अंतिम संस्कार

जाहदि अंसारी- सूरजपुर। प्रतापपुर निवासी वरिष्ठ पत्रकार एवं सामाजिक कार्यकर्ता महेंद्र गुप्ता के निधन से पत्रकारिता जगत और सामाजिक क्षेत्र में शोक की लहर है। उन्होंने 28 अक्टूबर 2026, बुधवार की शाम 6:30 बजे बनारस में उपचार के दौरान अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर से क्षेत्र में शोक व्याप्त है। महेंद्र गुप्ता पत्रकारिता के साथ सामाजिक गतिविधियों से भी जुड़े रहे। उनके निधन को क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति माना जा रहा है। उनके जाने से परिवार, परिचितों और सुभूचितकों में गहरा दुख है। दिवंगत महेंद्र गुप्ता के पुत्र मनीष गुप्ता एवं विवेक गुप्ता सहित



समस्त परिवार शोकाकुल है। उनके निधन पर क्षेत्र के लोगों ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति और शोक संतप्त मणिकर्णिका घाट पर किया गया।

उनके निधन से प्रतापपुर ने पत्रकारिता एवं सामाजिक क्षेत्र से जुड़े एक परिचित व्यक्तित्व को खो दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, महेंद्र गुप्ता का अंतिम संस्कार गुरुवार, 29 अक्टूबर 2026 को सुबह 10 बजे वाराणसी के मणिकर्णिका घाट पर किया गया। उनके निधन से प्रतापपुर ने पत्रकारिता एवं सामाजिक क्षेत्र से जुड़े एक परिचित व्यक्तित्व को खो दिया है।

मासूम को न्याय दिलाने कोरबा प्रेस क्लब के आह्वान पर निकला कैंडल मार्च, फास्ट ट्रैक कोर्ट में सुनवाई और फांसी की मांग

कोरबा। जिले के रजगामार क्षेत्र में घटित अत्यंत निंदनीय और जघन्य घटना की शिकार मासूम बच्ची को न्याय दिलाने तथा आरोपी को फांसी की सजा की मांग को लेकर कोरबा प्रेस क्लब के आह्वान पर शहर में एक विशाल शोक सभा एवं कैंडल मार्च का आयोजन किया गया। इस गंभीर और संवेदनशील मुद्दे पर आयोजित कार्यक्रम में कोरबा प्रेस क्लब की प्रबंध कार्यकारिणी व सदस्यों के साथ ही उपनगरीय क्षेत्रों के प्रेस क्लब के पदाधिकारी व सदस्यों समेत, सभी समाज, विधिय समिति व संस्थान के पदाधिकारी व सदस्य शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत कोरबा प्रेस क्लब स्थित तिलक भवन से हुई, जहां सभी एकत्रित होकर हाथों में कैंडल लेकर ट्रांसपोर्टनगर चौक तक पैदल मार्च निकालकर पहुंचे। शहरवासियों और पत्रकारों का यह हुजूम हाथों में तख्तियां लिए हुए न्याय की मांग कर रहा था। ट्रांसपोर्टनगर चौक पहुंचने पर सभी ने कैंडल चैराहे पर लगाकर और 2 मिनट का मौन धारण कर दिवंगत मासूम बच्ची को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उपस्थित जनों ने एक स्वर में मांग की कि इस जघन्य अपराध के मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट के माध्यम से त्वरित गति से की जाए। शहरवासियों ने कड़े शब्दों में मांग उठाई कि दैरिदो को जल्द से जल्द फांसी की सजा दी जानी चाहिए, ताकि

समाज में इस तरह के कुकृत्यों को अंजाम देने वालों के मन में कानून का खौफ पैदा हो सके। इस दौरान पूरा शहर गमगीन और आक्रोशित नजर आया। आयोजन के दौरान कोरबा प्रेस क्लब अध्यक्ष नौशाद खान, उपाध्यक्ष राजकुमार शाह, सचिव दिनेश राज, कोषाध्यक्ष दुर्गेश श्रीवास्तव, कार्यकारिणी सदस्य राजेश कुमार मिश्रा सहित प्रेस क्लब से वरिष्ठ सदस्य सुभाष अग्रवाल, दीपक कुमार जैन, नरेन्द्र मेहता, राकेश श्रीवास्तव, देवेंद्र गुप्ता, राजेश कुमार, दीपक साहू, महिला पत्रकार रेणु जायसवाल, प्रतिमा सरकार, आशा सिंह, निर्मला राठौर व आशा ठाकुर समेत प्रेस क्लब के सभी सदस्यगण सहित नगर निगम के सभापति नूतन सिंह ठाकुर, कटघोरा प्रेस क्लब से अजय धनोदिया, कुसमुंडा से पत्रकार ओम गभेल, सतपाल सिंह, बरपाला पत्र संघ से संजीव शर्मा, विरेंद्र व लखन गोस्वामी, आईएमए कोरबा से डॉ. अजय स्वर्णकार, श्रमिक नेता केदारनाथ अग्रवाल, अग्रवाल समाज से बजरंग अग्रवाल, साहू समाज के युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष खेमलाल साहू, उपाध्यक्ष श्याम साहू, बिलासपुर संभाग साहू समाज के युवा प्रकोष्ठ उपाध्यक्ष पुष्पेंद्र साहू, सलाला चौहान, यादव समाज के रानी यादव, सर्व यादव समाज सिंह यादव, अनिता यादव, गीता यादव, यूथ मुस्लिम कमेटी से आसिफमिर्जा

बेग, मोहम्मद फ़िरोज, जिला अधिवक्ता संघ के उपाध्यक्ष रवि शर्मा, पुंज्य सिंधी पंचायत के कन्हैयालाल पंजवानी, प्रेमचंद रामचंद्रानी, संतोष वाघवानी, प्रेमचंद रेलवानी, गुप्ता समाज से राजेश गुप्ता, नंद कुमार गुप्ता, छ.ग. चेम्बर ऑफ कॉमर्स कोरबा इकाई से परसराम,नौशाद खान वाई.एम.सी. बरकत चौहान वाई.एम.सी., गौसे आजम कमेटी से मो. रहीस, छ.ग. दिव्यंग शासकी अधिकारी-कर्मचारी संघ कोरबा के जिलाध्यक्ष प्रकाश खाकसे, फेडरेशन क्लब के कोषाध्यक्ष रामकपूर कुर्रे, छ.ग. प्रदेश संस्कृत शिक्षक संघ के कार्य. प्रांतध्यक्ष ओमप्रकाश बघेल (कार्य. प्रांतध्यक्ष), छ.ग. कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के संयोजक जगदीश प्रसाद खरे, छ.ग. वेलेफेयर एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष हरि राम पटेल, छ.ग. राजभाषा आयोग के जिला-समन्वयक दुर्गेश चतुर्वेदी, साहित्य समिति के संरक्षक मुकेश चतुर्वेदी व सचिव डॉ. कृष्ण कुमार चन्दा, जेसीज से इंजीनियर राज अग्रवाल समेत अन्य सदस्यगण, सर्व यादव समाज के जिला अध्यक्ष चंद्रमणि यादव, वरिष्ठ नागरिक संघ के जिला अध्यक्ष गणेश दास महंत व उनकी टीम समेत विनोद कुमार यादव (डीडीएम रोड), नानकराम बनाज, नीतिन गुप्ता (चश्मा घर), नितेश डालमिया (कल्यानी एजेंसी) समेत बड़ी संख्या में शहरवासी शामिल हुए।

आदिवासी क्षेत्रों में योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाएं आर. हेमंत कुमार

एकलव्य स्कूल, प्रयास विद्यालय और आईटीआई का किया निरीक्षण, शिक्षा, स्वास्थ्य और स्थानीय रोजगार को बढ़ावा देने पर जोर

ओमप्रकाश रजक/जनता के गोट जगदलपुर, । राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के विशेष मॉनिटर जनजातीय कल्याण आर. हेमंत कुमार ने बस्तर जिले के प्रवास के दौरान जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया। उन्होंने एकलव्य मॉडल स्कूल तोकापाल, प्रयास विद्यालय जगदलपुर और औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) का निरीक्षण कर शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार की संभावनाओं की जानकारी ली। प्रयास विद्यालय में उन्होंने विद्यार्थियों के शैक्षणिक एवं व्यक्तित्व विकास के प्रयासों की समीक्षा करते हुए प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण



परिषद (एनसीआईआईटी) की पुस्तकें उपलब्ध कराने की बात कही। आईटीआई में उन्होंने स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराने वाले ट्रेडों में युवाओं को प्रशिक्षण देने पर बल दिया। कलेक्टोरेट के आस्था कक्ष में आयोजित जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक में उन्होंने अनुसूचित जनजातों व विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों के अधिकारों, संवैधानिक संरक्षण तथा विकास योजनाओं की समीक्षा

की। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों में पोषण, टीकाकरण और स्वास्थ्य जांच की बेहतर व्यवस्था करने तथा किशोरी बालिकाओं में एनीमिया की रोकथाम के लिए आयरन-फोलिक एसिड की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने कृषि, पशुपालन, उद्यानिकी और मत्स्यपालन को आजीविका के मजबूत माध्यम बताते हुए कनकनाथ मुर्गी पालन को बढ़ावा देने की बात कही। साथ ही लघु

ववोपज के संग्रहण, मूल्य संवर्धन और विपणन के लिए बेहतर योजना बनाने तथा महिला स्व-सहायता समूहों को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया। बैठक में जिला पंचायत सीईओ तन्मय खन्ना, डीएफओ दीपेश कपिल और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुखनंदन राठौर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। सीईओ ने सुझावों को विभागीय समन्वय से लागू करने का भरोसा

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के सभी 324 स्टेशनों एवं प्रमुख परिसरों में पेयजल स्रोतों की सघन जांच और निगरानी

रेलवे में शुद्ध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने विशेष पेयजल परीक्षण अभियान

बिलासपुर। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल की अध्यक्षता में जिला

जल एवं स्वच्छता मिशन समिति की बैठक 30 अक्टूबर, शुक्रवार को सवेरे 10 बजे से कलेक्टोरेट के मंथन सभाकक्ष में आयोजित की जाएगी। बैठक में जल जीवन मिशन के कार्यों की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की जाएगी। पूर्ण एवं हस्तांतरित ‘हर घर जल’ योजनाओं के भुगतान तथा चलित देयकों के भुगतान की स्वीकृति संबंधी प्रकरण रखे जाएंगे। इसके साथ ही अध्यक्ष की अनुमति से अन्य विषयों पर चर्चा होगी। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने समिति के सभी सदस्य अधिकारियों से निर्धारित समय एवं स्थान पर बैठक में उपस्थित होने का अनुरोध किया है।

सहकारी समितियों के परिसमापन हेतु दावा आपति आमंत्रित किया

बिलासपुर। कार्यालय उप पंजीयक, सहकारी संस्थाएं बिलासपुर द्वारा जिले की सहकारी समितियों के परिसमापन हेतु 60 दिवस के भीतर समिति के दावेदार एवं लेनदारों से दावा आपति मंगाये गये है। समितियों के लिए नियुक्त परिसमापकों ने बताया कि बिलासपुर के जय हनुमान प्राथमिक सह. उप. भण्डार मर्या. लोकोकालोनी, कृषि एवं पशुपालन बहु. सहकारी समिति मर्या., ज्योति प्राथमिक सह. उप. भण्डार मर्या. कुदुदण्ड, आदर्श प्राथमिक सहकारी उपभोक्ता भण्डार मर्या. इमलीपारा, जय भवानी प्राथमिक उपभोक्ता भंडार सहकारी समिति मर्या. रामदासनगर, आदर्श प्राथमिक सहकारी उपभोक्ता भण्डार मर्या. लाला लाजपतराय नगर, विकास प्राथमिक सहकारी उपभोक्ता भण्डार मर्या. नेहरू नगर एवं एसईसीएल प्राथमिक सहकारी उपभोक्ता भण्डार मर्या. इंदिरा के परिसमाापन की कार्यवाही की जा रही है। इन समितियों के दावेदार एवं लेनदार अपने दावेमय लिखित प्रमाण 60 दिन के भीतर कार्यालयीन समय में प्रस्तुत करें। इस अवधि के पश्चात प्राप्त होने वाले दावे मान्य नहीं होंगे। यदि किसी व्यक्ति के पास उक्त संस्थाओं का रिकार्ड या संपत्ति आदि हो तो तत्काल परिसमापक सौंपने की अपील की गई है अन्यथा दण्डात्मक कार्यवाही के भागीदार होंगे।

शासकीय राशन दुकान संचालन के लिए आवेदन 4 नवम्बर तक

बिलासपुर। जिले के कोटा विकासखण्ड अंतर्गत शासकीय उचित मूल्य की दुकान जोगीपुर, मिडू नवागांव, करवा, पुडु, पोंडी (402003032), मोहली, लूफ, उपका, शक्तीबहरा, कुलबार, नगोई, करी, नवागांव (स), लमकेना, तुलुफ पोंडी (402003105) के आबंटन के लिए 4 नवम्बर 2026 तक बंद लिफाफे में आवेदन पत्र आमंत्रित किये गये है। ग्राम पंचायत एवं स्थानीय नगरीय निकाय, महिला स्व सहायता समूह, प्राथमिक कृषि साख समितियां, अन्य उपभोक्ता सहकारी समितियां, राज्य शासन द्वारा विनिर्दिष्ट उपक्रम, वृहदाकार आदिम जाति बहुदेशीय सहकारी समिति (लेम्स) एवं वन सुरक्षा समितियों के आवेदन ही स्वीकार किये जाएंगे। सहकारी समितियां एवं महिला स्व सहायता समूहों को दुकान आबंटन हेतु आवेदन करने की तारीख से कम से कम 3 माह पूर्व पंजीकृत होना अनिवार्य है। आवेदन करने वाली सहकारी समिति एवं महिला स्व सहायता समूह वर्तमान में कार्यरत हो तथा उसे सामाजिक-आर्थिक क्षेत्र में कार्य करने का अनुभव हो। आवेदन केवल निर्धारित प्रारूप में सील बंद लिफाफे में ही स्वीकार किया जाएगा। बंद लिफाफे के ऊपर जिस दुकान के लिए आवेदन कर रहे हैं उसका नाम व आई.डी. अनिवार्य रूप से लिखा होना चाहिए। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 4 नवम्बर 2026 को दोपहर 3 बजे तक है। नियत तिथि एवं समय के पश्चात आवेदन स्वीकार नहीं किये जाएंगे।आवेदन करने के लिए समिति एवं संस्थान के पंजीयन की सत्यापित छायाप्रति, समिति, संस्था, पंचायत के सभी सदस्यों के नाम, पते व आधार की सत्यापित छायाप्रति की जानकारी, आवेदक समिति, समूह, पंचायत का बचत बैंक खाता की प्रमाणित छायाप्रति एवं अंतिम 3 माह का स्टेटमेंट, समिति एवं संस्था का शपथ पत्र आदि होना आवश्यक है।

25 हजार रुपये रिश्तत लेने के मामले में पटवारी निलंबित, कलेक्टर की कार्रवाई

बिलासपुर। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने शासकीय राजस्व कार्य के लिए 25 हजार रुपये की रिश्तत मांगने एवं लेने के मामले में पटवारी श्री ऋषिपुरी गोस्वामी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। सोशल मीडिया एवं समाचार पोर्टलों पर प्रसारित वीडियो के संबंध में तहसीलदार पचपेड़ी द्वारा प्रस्तुत जांच प्रतिवेदन में आरोप प्रथम दृष्टया प्रमाणित पाए जाने पर यह कार्रवाई की गई है। श्री गोस्वामी पूर्व में पटवारी हल्का नंबर 14 में पदस्थ थे तथा वर्तमान में तहसील पचपेड़ी के पटवारी हल्का नंबर 05 में कार्यरत हैं। तहसीलदार पचपेड़ी ने 28 अक्टूबर 2026 को जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत किया था। आदेश में पटवारी के कृत्य को सिविल सेवा आचरण नियमों के विपरीत एवं गंभीर कदाचरण की श्रेणी में मानते हुए शासन की छवि धूमिल करने वाला बताया गया है। निलंबन अवधि में श्री गोस्वामी का मुख्यालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, कोटा कार्यालय निर्धारित किया गया है।

रेल संरक्षा के 04 सजग प्रहरियों को महाप्रबंधक तरुण प्रकाश द्वारा किया गया सम्मानित.....

बिलासपुर। रेल परिचालन में संरक्षा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता है । सजगता एवं बेहतर संरक्षा कार्य में सहभागिता निभाने वाले रेल संरक्षा के सजग प्रहरी कर्मचारियों का सम्मान महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के द्वारा हर माह आयोजित संरक्षा बैठक के दौरान किया जाता है । इसी कड़ी में आज दिनांक 27 अक्टूबर, 2026 को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में कागैरत संरक्षा कोटि के 04 कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट एवं सराहनीय संरक्षा संबंधी कार्य निष्पादन के लिए महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश के द्वारा सम्मानित किया गया । इस अवसर पर सम्मानित किए गए कर्मचारियों के सराहनीय कदम इस प्रकार हैं:-
स्टेशन मास्टर के पद पर सिलवारी स्टेशन में पदस्थ कर्मचारी श्री आनंद

प्रकाश उपाध्याय ने ड्यूटी के दौरान आत्महत्या के इरादे से ट्रेक पर कूदी एक महिला का कीमती जीवन बचाया । अतः ट्रेन का सुरक्षित परिचालन में संरक्षा सुनिश्चित हुई। लोको पायलट (पैसेंजर) के पद पर दुर्ग में पदस्थ कर्मचारी श्री महेन्द्र कुमार साहू ने ड्यूटी के दौरान सिकोसा और गुंडरदेही के बीच भारी वर्षा के कारण रेलवे ट्रैक में आई अनियमितता दिखाई देने पर तत्काल गाड़ी पर नियंत्रण पाया और तत्काल संबंधित अधिकारियों को सूचित किया। इस प्रकार सजगता एवं सतर्कता से ट्रेन परिचालन में संरक्षा सुनिश्चित हुई। लोको पायलट (गुड्स) के पद पर कोरबा में पदस्थ कर्मचारी श्री हरेन्द्र कुमार ने ड्यूटि के दौरान नैला स्टेशन से लांग हॉल अप ट्रेन का परिचालन कर रहे थे इस दौरान विपरीत



दिशा से आ रही एक अन्य मालगाड़ी के वैगन में हॉट एक्सल देख कर तत्काल सर्वसंबंधित अधिकारियों को सूचित

किया। समय पर कार्रवाई से ट्रेन का संरक्षित संचालन सुनिश्चित किया गया । वरिष्ठ माल गाड़ी प्रबंधक के पद पर

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा यात्रियों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से व्यापक जांच एवं निगरानी अभियान चलाया जा रहा है। महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश के मार्गदर्शन तथा प्रधान मुख्य चिकित्सा निदेशक डॉ. काशीपति के नेतृत्व में संचालित इस विशेष अभियान के अंतर्गत रेलवे के सभी स्टेशनों एवं प्रमुख परिसरों में पेयजल की गुणवत्ता, उपलब्धता, स्वच्छता और रखरखाव व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के स्टेशनों में पेयजल की गुणवत्ता की व्यापक जांच की जा रही है। स्वास्थ्य निरीक्षकों द्वारा मौके पर ही पेयजल में अवशिष्ट क्लोरीन एवं कुल घुलित ठोस पदार्थों की जांच की जा रही है। साथ ही, जीवाणु एवं रासायनिक परीक्षण के लिए पेयजल के नमूने भी संकलित किए जा रहे हैं। इस अभियान के अंतर्गत विभिन्न स्टेशनों पर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं स्वास्थ्य निरीक्षकों द्वारा अन्य संबंधित विभागों के निरीक्षकों के समन्वय से निर्धारित स्थलों का निरीक्षण किया जा रहा है। इस दौरान पेयजल की उपलब्धता, गुणवत्ता एवं वितरण व्यवस्था से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जांच कर आवश्यकतानुसार सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित



की जा रही है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के सभी 324 स्टेशनों के साथ रेलवे कॉलोनियों, अस्पतालों, कार्यालयों एवं अन्य प्रमुख परिसरों में उपलब्ध पेयजल स्रोतों को इस अभियान में शामिल किया गया है। अक्टूबर माह में इन सभी स्थानों से कुल 5289 जल नमूने परीक्षण हेतु एकत्रित किए गए हैं। इसके

अंतर्गत नल, वाटर क्लर, वाटर बूथ, वाटर फिल्टर सहित विभिन्न पेयजल सुविधाओं का निरीक्षण एवं नियमित निगरानी की जा रही है, ताकि यात्रियों, रेल कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराया जा सके। पेयजल के नमूनों की जांच के दौरान जहां भी निर्धारित मानकों के

पटाखा दुकानों में सुरक्षा से समझौता नहीं शर्तों के उल्लंघन पर निरस्त होगा लाइसेंस

■ जिला अग्निशमन अधिकारी ने जारी किए दिशा-निर्देश

■ नियमित निरीक्षण कर परखी जाएंगी सुरक्षा व्यवस्थाएं

बिलासपुर। दीपावली पर्व के मद्देनजर पटाखा दुकानों में अग्नि दुर्घटनाओं की रोकथाम और नागरिकों की सुरक्षा के लिए कमांडेंट होम गाइस एवं जिला अग्निशमन अधिकारी श्री दीपांकुर नाथ ने सुरक्षा संबंधी दिशा-निर्देश जारी किए हैं। जिले के सभी पटाखा दुकान संचालकों को इनका अनिवार्य रूप से पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। श्री नाथ ने कहा कि दुकानों का नियमित निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं की जांच की जाएगी। निर्धारित शर्तों का पालन नहीं करने पर संबंधित दुकान का लाइसेंस निरस्त कर कार्रवाई की जाएगी। जारी निर्देशों के अनुसार पटाखा दुकानें रियायती क्षेत्रों अथवा बाजार के पास नहीं खोली जाएंगी। दुकानों का निर्माण कपड़ा, बांस, रस्सी और टेंट जैसी ज्वलनशील सामग्री से करने के बजाय अज्वलनशील टिन शेड से किया जाए तथा अग्निमंदक घोल से उपचारित किया जाए। दुकानों के बीच कम से कम तीन मीटर की



दूरी रखी जाए और दुकानें एक-दूसरे के सामने-सामने नहीं बनाई जाएं। किसी भी पटाखा दुकान के 50 मीटर के दायरे में आतिशबाजी का प्रदर्शन प्रतिबंधित रहेगा। प्रत्येक दुकान में पांच किलोग्राम क्षमता का डीसीपी अग्निशामक यंत्र रखना अनिवार्य है। इसके साथ ही दुकान के अंदर और बाहर अलग-अलग 100-100 लीटर पानी उपलब्ध रखा जाए। अग्निशमन वाहन की आवाजाही के लिए कम से कम छह मीटर चौड़ा रास्ता खुला रखा जाए। दुकानों के सामने बाइक और कार की पार्किंग प्रतिबंधित रहेगी, ताकि आपात स्थिति में राहत एवं बचाव कार्य में बाधा न आए। दुकानों में रोशनी के लिए तेल अथवा गैस के लैम्प और खुली बिजली बत्ती का उपयोग नहीं किया जाए। विद्युत तारों के जोड़ खुले नहीं होने चाहिए।

एशिया की सबसे बड़ी कोयला खदान गेवरा में मानव श्रृंखला से गूँजा सत्यनिष्ठा से समृद्धि का संदेश दिया

■ एसईसीएल गेवरा क्षेत्र में सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2026 के अंतर्गत संकल्प दिवस का आयोजन; सीएमडी श्री हरीश दुहन ने दिलाई सत्यनिष्ठा की शपथ



जिसके माध्यम से प्रतिभागियों ने सत्यनिष्ठा से समृद्धि का संदेश दिया। केंद्रीय सतर्कता आयोग, नई दिल्ली के निर्देशानुसार 26 अक्टूबर से 1 नवंबर तक मनाए जा रहे सतर्कता जागरूकता सप्ताह के क्रम में आयोजित संकल्प दिवस कार्यक्रम में साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक श्री हरीश दुहन मुख्य

अतिथि रहे। इस अवसर पर निदेशक (मानव संसाधन) श्री बिरंची दास, निदेशक (वित्त) श्री डी. सुनील कुमार वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से, मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री हिमांशु जैन, गेवरा क्षेत्र के क्षेत्रीय महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार सहित विभिन्न विभागाध्यक्ष, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सीएमडी श्री हरीश दुहन ने सभी उपस्थितों को सत्यनिष्ठा

की शपथ दिलाई। अपने सम्बोधन में उन्होंने कहा कि, इस वर्ष की थीम ‘सत्यनिष्ठा से समृद्धि’ के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने के लिए एसईसीएल में विभिन्न जनजागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। हमारा प्रयास है कि तकनीक के माध्यम से हम अपनी कार्यप्रणाली में और अधिक पारदर्शिता एवं दक्षता लाएँ। कार्यक्रम के अंतर्गत एक पेड़ सतर्कता के नाम पहल के तहत पौधारोपण किया गया। एसईसीएल में सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान स्कूली बच्चों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएँ, जनजागरूकता अभियान एवं अन्य गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं। इन पहलों का उद्देश्य कर्मचारियों, विद्यार्थियों और आमजन की सहभागिता से पारदर्शी और कार्यसंस्कृति को सुदृढ़ करना तथा भ्रष्टाचारमुक्त समाज के निर्माण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

1 लाख 34 किसानों को मिलेगी पीएम किसान सम्मान निधि की 24वीं किस्त



ही विकासखंड कार्यालयों, पंचायत मुख्यालयों, प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों, प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्रों और मंडियों में भी किसानों की सहभागिता से कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। श्री तिग्गा ने बताया कि योजना के तहत पात्र किसानों को प्रतिवर्ष छह हजार रुपये की सहायता राशि दो-दो हजार रुपये की तीन किस्तों में दी जाती है। योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए किसानों का भूमि संबंधी

सत्यनिष्ठा से समृद्धि’ के संदेश के साथ निकाली गई प्रभात फेरी



■ बिलासपुर स्टेशन पर नुक्रड़-नाटक के माध्यम से ईमानदारी, पारदर्शिता एवं जवाबदेही के प्रति किया जागरूक

अधिकारी श्री एस.एस.राव सहित मुख्यालय एवं मंडल के अधिकारी-कर्मचारी, नागरिक सुरक्षा दल, भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, सेंट जॉन्स एम्बुलेंस तथा रेलवे स्कूलों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बिलासपुर रेलवे स्टेशन पर स्काउट्स-गाइड्स के बच्चों एवं सांस्कृतिक टीम द्वारा प्रस्तुत नुक्रड़ नाटक कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रहा। नुक्रड़ नाटक की जीवंत प्रस्तुति से अपने कर्तव्यों का ईमानदारीपूर्वक निर्वहन करने, कार्यों को पारदर्शिता के साथ संपन्न करने तथा अधिकारों एवं दायित्वों का सत्यनिष्ठा के साथ पालन करने का संदेश दिया गया। प्रस्तुति के माध्यम से यात्रियों एवं आम नागरिकों को नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूक रहने और भ्रष्टाचार मुक्त समाज के निर्माण में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री जे. एस. मीना ने कहा कि सतर्कता हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। प्रत्येक रेलकर्मी को अपने कार्यों में ईमानदारी, निष्ठा एवं पारदर्शिता बनाए रखनी चाहिए। साथ ही उन्होंने सभी से आत्माग्रासण, नैतिक आचरण एवं सत्यनिष्ठा अपनाने तथा पारदर्शिता की संस्कृति को बढ़ावा देने का आह्वान किया।



संक्षिप्त

समाचार

एआईकीहोड़मेंचीनकोबड़ा झटका: शेयरबाजारसे228 लाखकरोड़रुपयेसाफ

बीजिंग/वाशिंगटन, एजेंसी। एआई क्षेत्र में अमेरिका को पछाड़कर वैश्विक वर्चस्व हासिल



करने की चीन की आक्रामक होड़ उसी पर भारी पड़ती दिख रही है। भविष्य के एआई बाजार और चीनी कंपनियों के मुनाफे को लेकर निदेशकों में बढ़ती अनिश्चितता के बीच हाल के महीनों में चीन के शेयर बाजारों से कई ट्रिलियनडॉलर डूब गए हैं। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, मई के बाद से अब तक चीनी शेयर बाजार से 2.4 ट्रिलियन डॉलर (लगभग 228 लाख करोड़ रुपये) का मार्केट कैप साफ हो चुका है। शॉर्टाई स्टॉक एक्सचेंज के प्रमुख टैक्नोलॉजी इंडेक्स (स्टार 50) में जून से अब तक 40% की भारी गिरावट दर्ज की गई है, जबकि अन्य प्रमुख सूचकांक भी लगभग 20% तक टूट चुके हैं। गोल्डमैन साक्स के आंकड़ों के अनुसार, चीन-हांगकांग के शेयर बाजारों के कुल मूल्यांकन में 40% से अधिक हिस्सेदारी एआई और टेक कंपनियों की है। ऐसे में टेक सेक्टर में जरा सी भी गिरावट पूरे घरेलू बाजार में तबाही ला रही है। चीन की सरकार ने घरेलू एआई डवलपर्स को सहारा देने के लिए 60 अरब युआन का सरकारी फंड भी बाजार में उतारा है, लेकिन चीनी उपभोक्ता आर्थिक मंदी के कारण पैसे खर्च करने से कतरा रहे हैं। घरेलू मांग में भारी कमी के चलते टेक कंपनियां मुनाफा कमाने में बुरी तरह नाकाम साबित हो रही हैं। चीन के इस संकट की दूसरी बड़ी वजह अमेरिका और पश्चिमी देशों द्वारा लगाए जा रहे कड़े प्रतिबंध हैं। अमेरिका ने राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला देते हुए चीन के ह्यूमनोइड रोबोट्स (इंसान जैसे रोबोट) पर पाबंदी लगा दी है। साथ ही डाटा सेंटर्स में चीनी उपकरणों के इस्तेमाल पर भी रोक लगाने की तैयारी है। चीनी रोबोट निर्माता (युनिट्री) के शेयरों के दाम अगस्त में ट्रेडिंग शुरू होने के बाद से आधी रह गए हैं। चीन ने गिरती जन्मदर और बूढ़ी होती आबादी से निपटने के लिए एबीडीड एआई (रोबोटिक्स) पर दांव लगाया था, लेकिन ये रोबोट अब भी आम उपभोक्ताओं के लिए बहुत महंगे हैं। यह रोबोट के व्यावसायिक उपयोग में चीन की नाकामी है, जबकि अमेरिका में कंपनियां लगातार फायदे में हैं। अमेरिकी कंपनियां उन्नत सॉफ्टवेयर एकीकरण और स्पष्ट व्यावसायिक मॉडलों के दम पर औद्योगिक और घरेलू दोनों क्षेत्रों में अपनी पकड़ मजबूत कर रही हैं।

ट्रंपबोले- 1979सेईरानसे संघर्षजारी,वेनेजुएलाबन सकताहै51वांराज्य

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ लंबे समय से चले



आ रहे तनाव को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने ईरान के साथ युद्ध शुरू नहीं किया, बल्कि ईरान 1979 से अमेरिका के खिलाफ यह लड़ाई लड़ रहा है। ट्रंप के मुताबिक, ईरान ने अमेरिका के कई लोगों की जान ली है। उन्होंने दावा किया कि ईरान के हमलों में हजारों अमेरिकी सैनिक मारे गए और बड़ी संख्या में घायल हुए हैं। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका के पिछले नेताओं को इस समस्या का समाधान बहुत पहले कर लेना चाहिए था, लेकिन उनमें ऐसा करने का साहस या समझ नहीं ट्रंप ने वेनेजुएला को लेकर भी एक बयान दिया। उन्होंने कहा कि अमेरिका अपने लिए बड़ी मात्रा में तेल निकाल रहा है। उनके अनुसार, वेनेजुएला एक समृद्ध देश बन सकता है और संभव है कि निकट भविष्य में वह अमेरिका का 51वां राज्य बन जाए। ट्रंप ने यह भी कहा कि ऐसी स्थिति में राष्ट्रपति के बजाय वहां गवर्नर के चुनाव की व्यवस्था हो सकती है।

हिंद-प्रशांत में शांति और स्थिरता के लिए भारत प्रतिबद्ध: राजनाथ सिंह

सेबू, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को फिलीपींस के सेबू में आसियान रक्षा मंत्रियों की 13वीं बैठक प्लस (एडीएमएम-प्लस) से इतर अमेरिका के युद्ध मंत्री पीट हेगसेथ से मुलाकात की। इस दौरान दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा हुई। अमेरिकी युद्ध मंत्री पीट हेगसेथ ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर मुलाकात की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं ने प्रमुख रक्षा साझेदारी के ढांचे के एक साल पूरे होने का जश्न मनाया और सहयोग बढ़ाने के उपायों पर चर्चा की।

राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर इस मुलाकात की जानकारी दी। उन्होंने लिखा, '13वीं एडीएमएम-प्लस बैठक के इतर अमेरिकी युद्ध मंत्री पीट हेगसेथ के साथ शानदार मुलाकात हुई। हमने अपने 10 वर्षीय भारत-अमेरिका रक्षा ढांचे की प्रगति की समीक्षा की। यह



ढांचा सैन्य प्रौद्योगिकी, सूचना साझा करने और संयुक्त उत्पादन के क्षेत्रों में रणनीतिक तालमेल को आगे बढ़ा रहा है। हमारी मजबूत साझेदारी स्वतंत्र, खुले और सुरक्षित हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण आधार बनी हुई है। राजनाथ सिंह और हेगसेथ की मुलाकात ऐसे समय हुई है, जब भारत और अमेरिका के बीच प्रमुख रक्षा साझेदारी के ढांचे को एक साल पूरा हो

गया है। वर्ष 2025 में दोनों देशों ने इस ढांचे पर हस्ताक्षर किए थे। इसका उद्देश्य अगले 10 वर्षों में रक्षा साझेदारी को और व्यापक बनाना है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, यह ढांचा दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को गहरा करने के लिए साझा दृष्टिकोण और नीतिगत दिशा प्रदान करता है। अमेरिकी युद्ध मंत्री ने दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया और जापान के रक्षा नेतृत्व

यूएस-वयूबा के बीचतीखीबहस, राजदूतवॉल्ट्जबोले- यहहवानानहीं, अमेरिकाहै; लगाएगंभीरआरोप

वाशिंगटन, एजेंसी। वयूबा पर अमेरिकी आर्थिक प्रतिबंधों को लेकर मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा में अमेरिका और वयूबा के अधिकारियों के बीच तीखी बहस हो गई। विवाद उस समय बढ़ गया, जब अमेरिकी राजदूत माइक वॉल्ट्ज प्रतिबंधों के खिलाफ प्रस्ताव का विरोध करने के लिए अपना पक्ष रख रहे थे। इसी दौरान वयूबा के विदेश मंत्री बूनो रोड्रिगेज ने उन्हें झूठा कह दिया। बहस के दौरान वयूबा के प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने अपनी मेज थपथपाई और व्यवस्था से जुड़ा मुद्दा उठाते हुए विरोध जताया। संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों ने स्थिति को शांत करने की कोशिश की, लेकिन रोड्रिगेज अपनी सीट से उठकर महासभा के अध्यक्ष के मंच के पास पहुंच गए और वॉल्ट्ज पर चिल्लाते हुए कहा 'आप झूठे हैं!' इसके जवाब में वॉल्ट्ज ने कहा 'आप समझते हैं कि आप किससे बात कर रहे हैं उन्होंने कहा, 'यह हवाना नहीं है। आप मुझे डराने की कोशिश नहीं करेंगे। यह अमेरिका है।' उनके इस बयान से बैठक में तनाव बढ़ गया। यह घटना अमेरिका और वयूबा के बीच लंबे समय से चले आ रहे तनाव के बीच हुई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन वयूबा की राजनीतिक व्यवस्था में बदलाव के लिए आर्थिक दबाव बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। वयूबा पहले से ही आर्थिक और वित्तीय संकट का सामना कर रहा है। जनवरी के अंत में ट्रंप ने उन देशों पर शुल्क लगाने की चेतावनी दी थी, जो वयूबा को तेल बेचते हैं या उसकी आपूर्ति करते हैं। इस कदम के बाद द्वीपीय देश में ईंधन की उपलब्धता प्रभावित हुई है। ईंधन की कमी के कारण वहां बड़े पैमाने पर बिजली कटौती हो रही है।

परमाणु टिकानों पर अमेरिकी हमले के बाद वया हुआ, संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी बोली- मरम्मत के सबूत नहीं मिले

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहस तेज हो गई है। संयुक्त राष्ट्र की परमाणु एजेंसी के प्रमुख रॉफेल ग्रोसी ने मंगलवार को कहा कि अब तक ऐसा कोई संकेत नहीं मिला है कि ईरान ने अमेरिकी और इस्राइली हमलों में क्षतिग्रस्त हुए अपने परमाणु टिकानों की मरम्मत या उन्हें दोबारा बनाने की कोशिश की हो। हालांकि, एजेंसी अब भी ईरान के परमाणु भंडार की पूरी जानकारी हासिल नहीं कर पाई है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में ग्रोसी ने कहा कि जून 2025 के बाद से ऐसी कोई गतिविधि नजर नहीं आई, जिससे पता चले कि 2025 और 2026 के सैन्य हमलों में क्षतिग्रस्त परमाणु टिकानों को दोबारा तैयार किया जा रहा है। उन्होंने ईरान से अपील की कि वह अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के निरीक्षकों की सभी परमाणु टिकानों पर जाने की अनुमति दे। इसमें वे स्थान भी शामिल हैं, जिन्हें सैन्य हमलों में नुकसान पहुंचा था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि ईरान के खिलाफ युद्ध शुरू करने की एक बड़ी वजह उसे परमाणु हथियार बनाने से रोकना है। उन्होंने यह भी दावा किया था कि जून 2025 में ईरान के परमाणु टिकानों पर अमेरिकी हमलों ने उसके परमाणु कार्यक्रम को

पूरी तरह खत्म कर दिया। हालांकि, इन टिकानों की मौजूदा स्थिति और ईरान के परमाणु भंडार की जानकारी हासिल



करने के लिए अंतरराष्ट्रीय निरीक्षण अब भी अहम माना जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के मुताबिक, ईरान के पास 60 फीसदी तक संबंधित यूरेनियम का 440.9 किलोग्राम भंडार था। यूरेनियम को करीब 90 फीसदी तक संबंधित करने पर उसे परमाणु हथियार बनाने के स्तर का माना जाता है। हालांकि, 60 फीसदी संबंधन का मतलब यह नहीं है कि ईरान ने परमाणु हथियार बना लिया है। एजेंसी की चिंता यह है कि निरीक्षण की कमी के कारण वह यह पता नहीं लगा पा रही कि ईरान के पास अब कितना यूरेनियम बचा है और उसका इस्तेमाल किस तरह हो रहा है। सुरक्षा परिषद की बैठक कई देशों की

मांग पर बुलाई गई थी। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने परमाणु अप्रसार से जुड़ी जिम्मेदारियों का पालन न करने के मामले में ईरान को सुरक्षा परिषद के पास भेजा था। रूस और चीन ने बैठक रोकने की कोशिश की, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। परमाणु अप्रसार संधि के तहत ईरान को अपनी परमाणु गतिविधियों की जानकारी देनी होती है और निरीक्षकों को जांच की अनुमति देनी पड़ती है। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के उप-राजदूत गुलामहोसैन दर्जी ने अमेरिका और इस्राइल के हमलों की निंदा की। उन्होंने इसे ईरान के खिलाफ आक्रामक युद्ध बताते हुए अमेरिका पर युद्ध अपराध करने का आरोप लगाया। उन्होंने इस्राइल के परमाणु हथियारों का मुद्दा भी उठाया। हालांकि, इस्राइल ने कभी आधिकारिक तौर पर यह स्वीकार नहीं किया है कि उसके पास परमाणु हथियार हैं। अमेरिकी राजदूत माइक वॉल्ट्ज ने ईरान को क्रूर तानाशाही बताते हुए सवाल किया कि वह अपनी परमाणु गतिविधियों को लेकर एजेंसी के सर्वालों का जवाब क्यों नहीं दे रहा है। उन्होंने कहा कि ईरान को आरोप लगाने के बजाय अपनी जिम्मेदारियों पर जवाब देना चाहिए। इस पूरे विवाद के बीच अमेरिकी हमलों, परमाणु निरीक्षण और यूरेनियम के भंडार को लेकर तनाव बना हुआ है।

के साथ भी बैठकें कीं। दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्री कांग के साथ मुलाकात के बाद उन्होंने दोनों देशों के गठबंधन और रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने पर जोर दिया।

ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री मार्लूस के साथ बैठक में उन्होंने गठबंधन को मजबूत करने और बेहतर परिणाम हासिल करने की बात कही। वहीं, जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी के साथ चर्चा में उन्होंने साझा रणनीतिक लक्ष्यों, रक्षा निवेश, प्रशिक्षण और हथियारों के उत्पादन को बढ़ाने पर जोर दिया।राजनाथ सिंह मंगलवार रात सेबू पहुंचे थे। हवाई अड्डे पर फिलीपींस के राष्ट्रीय रक्षा विभाग के अवर सचिव और सेवानिवृत्त मेजर जनरल फैबियन एम. पेड्रोसा ने उनका औपचारिक स्वागत किया। इस दौरान फिलीपींस में भारत के राजदूत हर्ष कुमार जैन और रक्षा अताशे कैप्टन चंद्रकांत कोठारी भी मौजूद थे।

एयर होस्टेसनेपैसेंजर के फोनमें देखा Shocking मैसेज, उड़ानके 15 मिनट बाद ही प्लेन की करानी पड़ी एमरजेंसी लैंडिंग

न्यूयार्क, एजेंसी। अमेरिका में विमान के भीतर मोबाइल फोन पर भेजे गए एक संदेश ने सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क कर दिया। यूनाइटेड एयरलाइंस की लास वेगास से न्यूयॉर्क जा रही उड़ान को बीच रास्ते से वापस लौटना पड़ा। मामले में 25 वर्षीय यात्री डांटे मिलने को गिरफ्तार किया गया है। उस पर आतंकवादी कृत्य से जुड़ी धमकी देने या उसके बारे में झूठी सूचना देने का आरोप लगाया गया है। आपराधिक शिकायत के अनुसार, डांटे मिलने शनिवार को यूनाइटेड एयरलाइंस की उड़ान संख्या 1681 में सवार था। बताया गया कि उड़ान के दौरान एक विमान परिचारिका ने उसे मोबाइल फोन पर संदेश लिखते देखा। संदेश में कथित तौर पर लिखा था, मैं इस विमान को हाईजैक कर दूंगा और सिर्फ तुम्हारी पत्ति को निशाना बनाकर इसे क्रैश कर दूंगा।संदेश की जानकारी मिलते ही विमान परिचारिका ने कप्तान को सूचित किया। इसके बाद सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विमान को वापस लास वेगास ले जाने का फैसला किया गया। यह विमान बोइंग 737 था, जिसमें 150 यात्री और चालक दल के छह सदस्य सवार थे। विमान ने लास वेगास के हैरी रीड अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरी थी। लेकिन धमकी भरे संदेश की सूचना मिलने के बाद विमान को वापस लौटना पड़ा। रात करीब 11 बजकर 5 मिनट पर विमान की लास वेगास में लैंडिंग हुई, यानी उड़ान भरने के लगभग 15 मिनट बाद ही उसे वापस बुला लिया गया। विमान में मौजूद यात्रियों के सामने आरोपी से सीधे तौर पर कोई पूछताछ नहीं की गई। लैंडिंग के बाद पुलिस पहले से हवाई अड्डे पर मौजूद थी और उसने मिलने को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद विमान से सभी यात्रियों को बाहर निकाला गया और उसकी सुरक्षा जांच की गई। घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। गिरफ्तारी के बाद पूछताछ में मिलने ने बताया कि उसने हवाई अड्डे के एक बार में बीयर और शराब के कुछ पैग लिए थे।

अमेरिकी चुनाव आयोग की वेबसाइट पर साइबर हमला: बंद करने पड़े सिस्टम

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में मध्यावधि चुनाव से पहले चुनाव आयोग की वेबसाइट पर साइबर हमला हुआ है। इससे चुनावी चंदे और खर्च का ब्योरा दर्ज करने वाला इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम प्रभावित हो

गया। रॉयटर्स को मिले एक ईमेल के मुताबिक, हैकर या हैकर्स ने अमेरिकी संघीय चुनाव आयोग (एफईसी) के सिस्टम में सेंध लगाने की कोशिश की। इसके बाद आयोग को अपनी ऑनलाइन सेवाएं अस्थायी रूप से बंद करनी पड़ीं। यह घटना तीन नवंबर को होने वाले मध्यावधि चुनाव से करीब एक सप्ताह पहले हुई है। इन चुनावों से तय होगा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी अगले दो साल तक अमेरिकी संसद में अपना बहुमत बनाए रख पाएगी या नहीं। एफईसी ने बयान में कहा, 'इस समय आयोग का इलेक्ट्रॉनिक फाइलिंग सिस्टम बंद है

और हमारी आईटी टीम सेवा बहाल करने के लिए सक्रिय रूप से काम

सिस्टम बंद था। मंगलवार रात आयोग ने बताया कि समस्या की



कर रही है।' आयोग की वेबसाइट पर पुराने चुनावी खर्च की रिपोर्ट अब भी देखी जा सकती है।

आयोग के एक अधिकारी ने चुनावी नियमों का पालन कराने वाली कंपनियों को भेजे ईमेल में कहा कि एफईसी के सिस्टम में सेंध लगाने की कोशिश की जा रही थी। इसी वजह से इंटरनेट के जरिए उपलब्ध सेवाओं को अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा। सोमवार रात करीब 10 बजे से

पहचान कर ली गई है और उसे ठीक करने की प्रक्रिया जारी है। हालांकि, वेबसाइट पर जारी सूचना के मुताबिक, फाइलिंग सिस्टम अभी भी बंद था। एफईसी अमेरिका में चुनाव कराने की जिम्मेदारी नहीं संभालता। इसलिए इस तकनीकी गड़बड़ी का मतदाताओं के वोट डालने की क्षमता पर असर पड़ने की आशंका नहीं है। हालांकि, सिस्टम बंद होने से राजनीतिक संगठनों के लिए चुनावी

खर्च की 24 घंटे और 48 घंटे के भीतर जमा की जाने वाली अनिवार्य रिपोर्ट दायित्व करना मुश्किल हो गया है। इन रिपोर्टों से पता चलता है कि राजनीतिक समूह किसी चुनाव में कितना पैसा खर्च कर रहे हैं और खर्च करने वाले संगठन कौन हैं। राजनीतिक वित्तीय नियमों का पालन कराने वाली कंपनी एमबीए कंसल्टिंग ग्रुप के अध्यक्ष और साईंओ स्टीवन मले ने कहा, 'मैंने अपने 26 साल के करियर में ऐसा कभी नहीं देखा।' इस बार अमेरिकी मध्यावधि चुनाव अब तक के सबसे महंगे चुनाव बन गए हैं। राजनीतिक विज्ञापन पर नजर रखने वाली संस्था एडजुस्ट के मुताबिक, विज्ञापनों और भविष्य के लिए किए गए आरक्षणों पर अब तक करीब 11.21 अरब डॉलर खर्च होने का अनुमान है। यह 2024 के चुनावों में हुए 11.2 अरब डॉलर से कुल खर्च से अधिक है।

तेल-गैस कंपनियों को मिलेगी खुली छूट

ट्रंप सरकार ने हटाई मीथेन पर लगी पाबंदियां, जलवायु पर पड़ेगा असर

वाशिंगटन, एजेंसी।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तेल और गैस कंपनियों को बड़ी राहत देते हुए मीथेन गैस के उत्सर्जन पर लगाई गई पाबंदियों को खत्म करने का एलान किया है। यह नियम पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन के कार्यकाल में लाया गया था, जिसका मकसद तेल और गैस की ड्रिलिंग के दौरान निकलने वाली मीथेन गैस को कम करना था। ट्रंप का दावा है कि इस फैसले से ऊर्जा कंपनियों और आम लोगों को आर्थिक फायदा होगा। हालांकि, पर्यावरण संगठनों ने इसे जलवायु और लोगों की सेहत के लिए एक नुकसानदेह बताया है।

टेक्सास में एक चुनावी रैली के दौरान ट्रंप ने कहा कि उनकी सरकार बाइडेन के समय लागू किए गए मीथेन उत्सर्जन नियम को खत्म कर रही है। उनके मुताबिक, इस फैसले से उपभोक्ताओं और ऊर्जा कंपनियों के करीब 45 अरब डॉलर बचेंगे। साथ ही, लगभग 21 करोड़ बैरल तेल उपलब्ध हो सकेगा। यह मात्रा अमेरिका में

करीब 10 दिनों की पेट्रोलियम खपत के बराबर है। सरकार का



तर्क है कि नियमों में ढील देने से घरेलू तेल उत्पादन बढ़ेगा और ऊर्जा की जरूरतें पूरी करने में मदद मिलेगी। मीथेन एक ग्रीनहाउस गैस है, जो धरती का तापमान बढ़ाने में अहम भूमिका निभाती है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, ग्रीनहाउस गैसों से होने वाली ग्लोबल वार्मिंग में मीथेन का योगदान करीब एक-तिहाई है। यह प्राकृतिक गैस का मुख्य हिस्सा है और कम समय से कार्बन डाइऑक्साइड के मुकाबले कहीं ज्यादा गमी रोक सकती है। तेल और गैस निकालने के दौरान उपकरणों से इसका रिसाव होता है। कई बार

कंपनियां अतिरिक्त गैस को बेकार समझकर जला भी देती हैं, जिससे पर्यावरण पर असर पड़ता है। अमेरिकी पर्यावरण संरक्षण एजेंसी के प्रमुख ली जेलिडन ने पिछले महीने ही इन बदलावों की जानकारी दी थी। उन्होंने बताया कि सरकार मीथेन रिसाव पर नजर रखने वाले 'सुपर एमिटर प्रोग्राम' को खत्म करेगी। इस कार्यक्रम के तहत तेल और प्राकृतिक गैस से जुड़ी सुविधाओं में बड़े रिसाव की पहचान कर उन्हें ठीक करना जरूरी था। इसके अलावा, छोटे तेल और गैस कुओं के लिए भी नियमों में ढील दी जाएगी। बाइडेन सरकार के नियमों में पुराने और नए, दोनों तरह के कुओं को शामिल किया गया था। पर्यावरण संगठनों का कहना है कि इस फैसले से तेल और गैस कंपनियों को प्रदूषण फैलाने की ज्यादा छूट मिल जाएगी। एनवायर्नमेंटल लॉ एंड पॉलिसी सेंटर के वकील मैक्स लोपेज के मुताबिक, इससे प्रदूषण का सबसे ज्यादा असर इंग्लैंड वाले समुदायों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

यूएई में कैप्टन रिमत सम्मानित: दुबई के राष्ट्रपति ने गले लगाकर किया सलाम

अमीरात, एजेंसी। संयुक्त अरब अमीरात ने फ्लाईदुबई के कैप्टन रिमत मच्छर और फ्लाइट 1073 के कू को उनके साहस और यात्रियों की जान बचाने के लिए सम्मानित किया है। के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने उन्हें 'फर्स्ट-क्लास ऑर्डर ऑफ जायद' से नवाजा। मंगलवार को राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद ने कू सदस्यों से मुलाकात की। इस दौरान दुबई के शासक शेख मोहम्मद बिन राशिद अल मक्तूम भी मौजूद रहे। दुबई के क्राउन प्रिंस शेख हमदान बिन मोहम्मद बिन राशिद अल मक्तूम ने कू को यह सम्मान प्रदान किया। यूएई के नेतृत्व ने मुश्किल हालात में यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने और अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए सभी की सराहना की।

उड़ान के दौरान कॉकपिट में हुआ हमला यह घटना 30 सितंबर को दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की फ्लाइट



खी1073 में हुई थी। उड़ान के दौरान कॉकपिट में गंभीर घटना हुई, जिसके बाद विमान को सऊदी अरब के तबुक की ओर मोड़ना पड़ा। इस दौरान कैप्टन रिमत मच्छर घायल हो गए। हालात इतने खराब हो गए थे कि विमान को

सुरक्षा पर खतरा मंडराने लगा था। कैप्टन मच्छर ने यूएई के अखबार 'द नेशनल' को दिए इंटरव्यू में बताया कि कॉकपिट का दरवाजा खोलने से पहले ही को-पायलट ने उन पर कई बार हमला कर दिया था। शुरुआत में

उन्हें लगा कि विमान का कोई हिस्सा टूटकर उनके सिर पर गिरा है। लेकिन जल्द ही उन्हें एहसास हुआ कि हमला उनकी ही टीम के एक सदस्य ने किया है। उन्होंने बताया कि लगातार हमलों के कारण उनकी नजर कमजोर पड़ने लगी थी। उन्हें चीजें साफ दिखाई नहीं दे रही थीं और वह सिर्फ धुंधली आकृतियां देख पा रहे थे। इसके बावजूद उन्होंने खुद को सीट बेल्ट से छुड़ाया और हमलों से बचने की कोशिश की।

कैप्टन मच्छर ने बताया कि हमले के बीच उन्होंने कॉकपिट का दरवाजा खोलने वाले हैंडल तक पहुंचने की कोशिश की और अपने साथियों को आवाज दी। इसी दौरान वह बेहोश होकर कॉकपिट में गिर पड़े। उनकी हालत गंभीर थी, लेकिन कॉकपिट तक पहुंचने और दरवाजा खोलने की उनकी कोशिश आगे की

विमान में बचाई थी 180 लोगों की जान

कार्रवाई में अहम साबित हुई।

17 हजारफीट नीचेगिरा

विमान, इंजनबंद होनेसेबड़ा खतरा

कैप्टन मच्छर के मुताबिक, घटना के दौरान विमान करीब 17,000 फीट नीचे गिर गया था। उस वक्त सबसे डरावना पल वह था, जब उन्होंने विमान के इंजन बंद होने की आवाज सुनी और उसे महसूस किया। ऐसे हालात में विमान को सुरक्षित संभालना बेहद मुश्किल था। फिर भी कू ने हिममत नहीं छोड़ी और स्थिति को काबू में करने की कोशिश जारी रखी। कैप्टन मच्छर कॉकपिट का दरवाजा खोलने में कामयाब रहे, जिसके बाद दूसरे कू सदस्यों और यात्रियों ने अंदर पहुंचकर को-

पायलट को काबू कर लिया। रिपोर्ट के मुताबिक, को-पायलट ने कैप्टन पर कुल्हाड़ी से हमला किया था और विमान को गिराने की कोशिश की थी। इसके बाद विमान के अपहरण से जुड़ा अपातकालीन संकेत भेजा गया और फ्लाइट को सऊदी अरब के तबुक में इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। इस घटना के बाद विमान को सुरक्षित तबुक में उतार लिया गया। विमान में सवार यात्रियों और कू सदस्यों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। रिपोर्ट में कुल 180 लोगों के सुरक्षित बचने की बात कही गई है। इस घटना ने एक बार फिर दिखाया कि संकट के समय विमान के कू की सूझबूझ और हिममत कितनी अहम होती है। इतनी खतरनाक घटना से गुजरने के बाद भी कैप्टन मच्छर का विमानन के प्रति भरोसा कम नहीं हुआ।



क्या नए जोनर में कदम रखने जा रहे हैं आर्यन खान, शुरू की नए लेखकों की तलाश

शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान का शो 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' काफी चर्चा में रहा। अब आर्यन अपनी अगली सीरीज के लिए उभरते लेखकों की एक टीम तैयार कर रहे हैं। कैमरे के पीछे अपना सफर शुरू करने के बाद, अब वह कहानी कहने की नई प्रतिभाओं की तलाश कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि आर्यन खान सिर्फ निर्देशन और इसके क्रिएटिव विजन पर ध्यान देने के बजाय, अपकमिंग प्रोजेक्ट की लेखन प्रक्रिया में भी शामिल होना चाहते हैं।

आर्यन ने बनाई लेखकों की टीम
वैरायटी के मुताबिक आर्यन खान नए लेखकों को तलाश कर रहे हैं। इस पहल का मकसद ऐसे लेखकों को एक साथ लाना है, जिनके विचारों को भविष्य के स्ट्रीमिंग प्रोजेक्ट्स में बदला जा सके। कहा जा रहा है कि वह ऐसी कहानियों में दिलचस्पी रखते हैं जो आज के दौर का नजरिया पेश करें और युवा दर्शकों से जुड़ सकें।

प्रोजेक्ट पर हो रहा काम

यह कदम उनके पहले बड़े प्रोजेक्ट के बाद उठाया गया है, जिसमें उन्होंने शो-रनर, लेखक और निर्देशक के तौर पर काम किया था। हालांकि नई सीरीज के बारे में अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, मगर नए लेखकों की तलाश से पता चलता है कि अभी इस प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है। कास्ट, कहानी या प्रोडक्शन शेड्यूल के बारे में अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है।

आर्यन खान का सफर

निर्देशन में कदम रखने से पहले आर्यन खान ने 2019 में 'द लायन किंग' के हिंदी वर्जन में सिम्बा को अपनी आवाज दी थी। इसी वर्जन में शाहरुख खान ने मुफासा के लिए अपनी आवाज दी थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक शाहरुख खान को कुछ डायलॉग्स फिर से रिकॉर्ड करने पड़े थे, क्योंकि विशेषज्ञों ने गौर किया कि उनकी आवाज उनके बेटे की आवाज से बहुत ज्यादा मिलती-जुलती लग रही थी। 2024 में 'मुफासा : द लायन किंग' में आर्यन खान ने सिम्बा के रूप में वापसी की। शाहरुख खान ने एक बार फिर मुफासा को अपनी आवाज दी, जबकि अबराहम खान भी हिंदी वॉयस कास्ट का हिस्सा बने। 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' से उन्होंने निर्देशन की दुनिया में कदम रखा।

खुद को लेकर निराश हैं अभिनेत्री? बोलीं- आलिया-दीपिका की फिल्म कर सकती है अच्छी ओपनिंग

राधिका आठे इन दिनों अपनी अपकमिंग वेब सीरीज 'अक्का' को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच उन्होंने बॉलीवुड में महिलाओं की स्थिति के बारे में बात की है। अभिनेत्री का कहना है कि हिंदी सिनेमा में महिला कलाकारों को अक्सर ऐसी फिल्मों में काम करने के लिए मजबूर होना पड़ता है, जिनमें पुरुष मुख्य भूमिका में होते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि महिला-प्रधान फिल्मों के लिए एक अच्छी थिएट्रिकल रिलीज पाना मुश्किल हो जाता है। उन्होंने आगे कहा कि कोई महिला-प्रधान फिल्म बॉक्स ऑफिस पर तभी अच्छी शुरुआत कर सकती है, जब उसमें आलिया भट्ट या दीपिका पादुकोण जैसी बड़ी स्टार्स मुख्य भूमिका में हों। राधिका किस आधार पर चुनती हैं फिल्में? राधिका की हालिया फिल्में 'लस्ट स्टोरीज 3', 'साली मोहब्बत', 'मिसेज अंडरकर' और 'मोनिका - ओ माय डार्लिंग' सीधे ओटीटी पर रिलीज हुई थीं। हालांकि राधिका का कहना है कि उन्होंने फिल्मों का चुनाव इस आधार पर नहीं किया कि वह सिनेमाघरों में रिलीज होगी या ओटीटी पर। बातचीत में उन्होंने कहा, 'मैं इस आधार पर कोई प्रोवेंट नहीं चुनती कि वह सिनेमाघरों में रिलीज होगा या ओटीटी पर। मुझे इससे कोई खास फर्क नहीं पड़ता। मैं बस यही चाहती हूँ कि फिल्म किसी न किसी तरह दर्शकों तक पहुंच जाए।'

आलिया-दीपिका को लेकर बोलीं राधिका



राधिका ने आगे बताया कि बॉक्स ऑफिस के समीकरणों को देखते हुए, महिला कलाकार अक्सर ऐसी फिल्में चुनती हैं जिनमें पुरुष मुख्य भूमिका निभा रहे हों। राधिका ने कहा, 'पिछले कुछ वर्षों में थिएट्रिकल रिलीज के मामले में यह समझना मुश्किल हो गया है कि क्या चलेगा और क्या नहीं। अगर कोई ऐसी फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज होती है, जिसमें मैं मुख्य भूमिका में हूँ, तो वह शायद फ्लॉप हो जाए, भले ही वह कितनी भी बेहतरीन फिल्म क्यों न हो। मैं आलिया भट्ट या दीपिका पादुकोण जैसी स्टार नहीं हूँ, जिनके मामले में कम से कम यह उम्मीद तो की जा सकती है कि फिल्म की ओपनिंग अच्छी होगी। मैं आपसे बिल्कुल ईमानदारी से कह रही हूँ। इसका मतलब यही है कि मुझे ऐसी फिल्मों का हिस्सा बनना पड़ता है, जिनमें पुरुष मुख्य भूमिका निभाते हैं।' हालांकि राधिका को आलिया और दीपिका की स्टार पावर पर भरोसा है, मगर इन दोनों अभिनेत्रियों ने भी पिछले कुछ समय से बॉक्स ऑफिस पर कोई बड़ी सॉलो हिट नहीं दी है। 2022 में आलिया भट्ट की फिल्म 'गंगुबाई काठियावाड़ी' आई थी, जो हिंदी सिनेमा में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली महिला-प्रधान फिल्मों में से एक है। मगर इसके बाद उनकी सॉलो फिल्में, 'जिगरा' और 'अल्फा' बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप रही। 2018 में आई फिल्म 'छपाक' के बाद से, दीपिका किसी ऐसी फिल्म में मुख्य भूमिका में नजर नहीं आई हैं, जो अकेले उनके दम पर सिनेमाघरों में रिलीज हुई हो।



राशि खन्ना ने पूरी की फिल्म मौजा ही मौजा की शूटिंग

साउथ की चर्चित अभिनेत्री राशि खन्ना जल्द ही अक्षय कुमार की फिल्म 'मौजा ही मौजा' में नजर आएंगी। इस फिल्म की शूटिंग उन्होंने

पूरी कर ली है और सेट से कुछ झलकियां शेयर करते हुए खुशी जताई है। राशि खन्ना ने आज शनिवार को इस्टाग्राम अकाउंट से पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने तस्वीरों की एक सीरीज शेयर की है। साथ ही लंबा नोट लिखा है। राशि ने लिखा है, 'हर फिल्म की एक कहानी स्क्रीन पर होती है, लेकिन कभी-कभी असली मजा तब आता है, जब कैमरा चल नहीं रहा होता।' बिल्कुल बोरियत नहीं हुई अभिनेत्री ने आगे लिखा है, 'फिल्म 'मौजा ही मौजा' उन शूट्स में से एक था, जो काम से ज्यादा छुट्टी जैसा लगा। बिना रुके हंसी से लेकर लुई गैम्स, डब चारेंडस, कैरम मेच और बीच-बीच में होने वाले सारे पागलपन तक, कभी कोई पल बोरिंग नहीं था।'

अक्षय कुमार-विद्या को कहा शुक्रिया

राशि खन्ना ने आगे कहा, 'अक्षय सर, विद्या मैम और अनीस सर, इस सफर को इतना मजेदार बनाने के लिए आपका शुक्रिया। फिल्म भले ही पूरी हो गई हो, लेकिन मुझे लगता है कि इस सेट की कहानियां हमें लंबे समय तक हंसाती रहेंगी।' राशि खन्ना के अन्य प्रोजेक्ट राशि खन्ना के पास 'मौजा ही मौजा' के अलावा कुछ और प्रोजेक्ट्स भी हैं। वे सुपरस्टार रजनीकांत के साथ फिल्म 'धर्मन' में नजर आएंगी। इसके अलावा क्राइम ड्रामा सीरीज 'फर्जी' के दूसरे सीजन में भी उन्हें देखा जाएगा।

बेपरवाह में गैंगस्टर बनेंगे अहान पांडे, शरवरी के साथ लड़ाएंगे इश्क

मोहित सूरी के निर्देशन में बनी फिल्म 'सैयारा' से बॉलीवुड में शानदार डेब्यू करने वाले अभिनेता अहान पांडे की अगली फिल्म का पोस्टर, टाइटल और रिलीज डेट का ऐलान हो गया है। यशराज फिल्म्स ने सोमवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए बताया कि फिल्म का टाइटल 'बेपरवाह' फियरलेस इन लव' होगा, जिसमें अहान के साथ शरवरी नजर आने वाली है। इस रोमांटिक एक्शन-ड्रामा फिल्म का निर्देशन अली अब्बास जफर करेंगे। वहीं, आदित्य चोपड़ा ने फिल्म को प्रोड्यूस किया है। फिल्म में रोमांस के साथ जबरदस्त एक्शन और इमोशन का तड़का देखने को मिलेगा। बॉलीवुड में नई जोड़ियों को देखने के लिए दर्शक हमेशा उत्साहित रहते हैं। अब अहान और शरवरी भी पहली बार साथ में स्क्रीन शेयर करते हुए नजर आएंगे। फिल्म के पोस्टर में देखने को मिलता है कि अहान और शरवरी के किरदारों के चेहरे छिपे हुए हैं। एक तरफ अहान के हाथ में बंदूक नजर आ रही है, तो उनके चेहरा और कपड़े खून से सने हुए हैं। वहीं, शरवरी के साथ में गिटार नजर आ रहा है। पोस्टर में दोनों ने अपने सिर को टकराते

नजर आ रहे हैं। इसके अलावा बैकग्राउंड में म्यूजिक के साथ अहान की आवाज सुनाई दे रही है, जिसमें वो कह रहे हैं कि 'बेपरवाह है इश्क, क्या करूँ? बेपरवाह, बेइतहा करूँ, कोई भी आए तो... सब तबाह, तबाह, तबाह करूँ।' बता दें कि 'बेपरवाह' यशराज फिल्म्स के साथ जफर की पांचवीं कोलेबोरेशन होगी। उन्होंने पहले इस बैनर के लिए 'मेरे ब्रदर की दुल्हन', 'गुंडे', 'सुल्तान' और 'टाइगर जिंदा है' डायरेक्ट की हैं।

अनीत पट्टा ने दिया रिएक्शन

इस पोस्टर पर अभिनेत्री और अहान पांडे की रुमड गलफैंड अनीत पट्टा ने भी अपना रिएक्शन दिया है। अनीत ने कमेंट में लिखा, 'बेस्ट ऑफ बेस्ट! बहुत ज्यादा एक्साइटड हूँ।' फिलहाल फिल्म के बारे में ज्यादा

जानकारी नहीं है, लेकिन खबरों के अनुसार, अनुराग कश्यप की 'निशाचि' में नजर आने के बाद ऐश्वर्य ठाकरे 'बेपरवाह' में विलेन की भूमिका में निभा सकते हैं। अहान पांडे ने 'बेपरवाह' की शूटिंग पिछले साल अक्टूबर में शुरू कर दी थी। इसे खास तौर पर यूके में शूट किया गया। बता दें कि इस फिल्म में अभिनेता एक गैंगस्टर का किरदार निभाते हुए नजर आएंगे। वहीं, इससे पहले 'सैयारा' में उनकी रॉकस्टार वाली छवि देखने को मिली थी। फिल्म 'बेपरवाह' अगले साल 26 मार्च को गुड फ्राइडे वाले दिन रिलीज होने वाली है।



कल्पना चावला से प्रेरित होकर बनीं 'अंतरिक्ष यात्री', अब हॉलीवुड में फिल्म निर्माण से जुड़ीं

बॉलीवुड में कई अभिनेत्रियां ऐसी रही हैं, जिन्होंने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग और फिल्मों से की, लेकिन कुछ समय बाद उनकी जिंदगी ने ऐसा मोड़ लिया कि वे फिल्मी पर्दे से दूर हो गईं। पूजा बत्रा की कहानी भी कुछ ऐसी ही है। मिस इंडिया का खिताब जीतने के बाद उन्होंने फिल्मों में अपनी पहचान बनाई और फिर निजी जिंदगी के फैसलों के चलते कुछ समय के लिए हिंदी सिनेमा से दूरी बना ली। इसके बाद उन्होंने विदेश में अपनी जिंदगी और करियर को नए सिरे से आगे बढ़ाया।

उन्होंने हॉलीवुड में काम किया और एक फिल्म में अंतरिक्ष यात्री का किरदार निभाया। इस रोल की तैयारी के लिए उन्होंने भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री कल्पना चावला और सुनीता विलियम्स के जीवन के बारे में भी पढ़ा। अब पूजा अभिनय के साथ फिल्म निर्माण की दुनिया में भी सक्रिय हैं। पूजा बत्रा का जन्म 27 अक्टूबर 1975 को हुआ था। उनके पिता रवि बत्रा भारतीय सेना में कर्नल थे, जबकि उनकी मां नीलम बत्रा ने भी 1971 में मिस इंडिया प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था। सेना में पिता की नोकरी के कारण पूजा को बचपन में अलग-अलग जगहों पर रहना पड़ा। उन्होंने करीब 12 साल में 10 स्कूल बदले। बचपन से ही उन्हें खेलों में दिलचस्पी थी और वह दौड़ की प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेती थी। पूजा ने कम उम्र में ही मॉडलिंग शुरू कर दी थी। एक साबुन के विज्ञापन से उन्हें काफी पहचान मिली। साल 1993 में उन्होंने मिस

इंडिया इंटरनेशनल का खिताब जीता। इस उपलब्धि के बाद उनके लिए मनोरंजन की दुनिया में नए रास्ते खुले। हालांकि, उन्होंने अपनी पढ़ाई भी पूरी की और इसके बाद फिल्मों में पहचान बनाई। इस फिल्म में वह अनिल कपूर और तब्बू के साथ नजर आईं। इसके बाद उन्होंने 'भाई', 'हसीना मान जाएगी', 'दिल ने फिर याद किया', 'कहीं प्यार न हो जाए' और 'नायक : द रियल हीरो' जैसी फिल्मों में काम किया। पूजा की जिंदगी में एक ऐसा भी समय आया, जब उन्होंने फिल्मों से दूरी बना ली। उन्होंने अमेरिका में रहने वाले ऑर्थोपेडिक सर्जन सोनू एस. अहलूवालिया से शादी की और लॉस एंजेलिस में रहने लगीं। बाद में दोनों का तलाक हो गया। इस बदलाव के बाद पूजा ने अपने जीवन और करियर को फिर

से आगे बढ़ाने पर ध्यान दिया। उन्होंने भारतीय फिल्मों के साथ अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट्स में भी मौके तलाशे। पूजा के करियर का एक खास पड़ाव 2016 में आई साइंस-फिक्शन फिल्म 'वन अंडर द सन' रही। इस फिल्म में उन्होंने कैथरीन वॉस नाम की अंतरिक्ष यात्री का किरदार निभाया था। कहानी एक ऐसे अंतरिक्ष मिशन की अकेली बची यात्री के बारे में थी, जो धरती पर लौटने के बाद अपनी बीमार बेटी से मिलना चाहती है। फिल्म के लिए तैयारी करते समय पूजा ने कल्पना चावला और सुनीता विलियम्स के जीवन के बारे में पढ़ा। उन्होंने बताया कि इन अंतरिक्ष यात्रियों से उन्हें किरदार की शारीरिक बनावट और व्यक्तित्व को समझने में मदद मिली। फिल्म की शूटिंग सिर्फ 11 दिनों में पूरी हुई थी। इसे कान फिल्म फेस्टिवल में भी पेश किया गया था। पूजा ने सिर्फ अभिनय तक खुद को सीमित नहीं रखा। वह फिल्म निर्माण के क्षेत्र में भी आगे बढ़ीं और लॉस एंजेलिस स्थित अपनी प्रोडक्शन कंपनी ग्लोबल इंक के जरिए प्रोजेक्ट्स से जुड़ीं। साल 2026 में उनकी कंपनी के निर्माण में बनी शॉर्ट फिल्म 'इकोज ऑफ अस' कान फिल्म फेस्टिवल के दौरान दिखाई गई। इस फिल्म में दीपक तिजोरी और स्पेनिस अभिनेत्री एलेसांद्रा क्लेन मेरिडिज नजर आए।

छत्तीसगढ़ में 15 नवंबर से शुरू होगी धान खरीदी: ?3100 प्रति क्विंटल की दर से 21 क्विंटल प्रति एकड़ खरीदेगी सरकार

एग्रीस्टेक आईडी वाले किसानों को नए पंजीयन और ऋण पुस्तिका लाने से छूट

प्रदेशभर के 3,100 उपार्जन केंद्रों से 27.50 लाख से अधिक किसान बेच सकेंगे धान

कृषक उन्नति योजना में संशोधन: अब प्रति एकड़ के मान से मिलेगी आदान सहायता

तरुण बन्धोर- जनता के गोट रायपुर। छत्तीसगढ़ में खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के तहत समर्थन मूल्य पर धान खरीदी आगामी 15 नवम्बर से शुरू होगी। राज्य सरकार 27.50 लाख से अधिक पंजीकृत किसानों से २3,100 प्रति क्विंटल की दर से अधिकतम 21

क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीदेगी। यह जानकारी प्रदेश के कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में दी।

कृषि मंत्री ने कैबिनेट बैठक में लिए गए 19 बड़े फैसलों को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार के किसान हितैषी निर्णयों ने प्रदेश में खुशहाली का नया अध्याय लिखा है।

एग्रीस्टेक से मिली बड़ी राहत: ऋण पुस्तिका की अनिवार्यता खत्म

किसानों की सहूलियत के लिए इस वर्ष पंजीयन प्रक्रिया को पूरी तरह डिजिटल और सरल बना दिया गया है:

पुनः पंजीयन से छूट: जिन किसानों का पंजीयन पिछले वर्ष एग्रीस्टेक आईडी के साथ हुआ था, उन्हें इस वर्ष धान विक्रय के लिए अलग से पंजीयन

कराने की आवश्यकता नहीं होगी।

ऋण पुस्तिका से मुक्ति:* एग्रीस्टेक में विवरण दर्ज होने के कारण अब किसानों को उपार्जन केंद्रों (समितियों) में भौतिक रूप से ऋण पुस्तिका लेकर जाने का झंझट खत्म हो गया है।

पारदर्शी व्यवस्था:* डिजिटल क्रॉप सर्वे के जरिए धान के रकबे का सटीक निर्धारण ऑनलाइन किया गया है। वास्तविक

किसानों से ही धान की खरीदी सुनिश्चित करने के लिए पूरी प्रक्रिया बायोमेट्रिक प्रमाणिकरण पर आधारित रहेगी।

360 नए उपार्जन केंद्र, कुल 3,100 केंद्रों पर होगी खरीदी

किसानों को लंबी कतारों और असुविधा से बचाने के लिए राज्य में 360 नए धान उपार्जन केंद्र खोले जा रहे हैं। इसके साथ ही इस वर्ष कुल 3,100 उपार्जन केंद्रों के माध्यम से पारदर्शी और सुचारु व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

समितियों में किसानों के लिए छाया, पानी और तैल की पुख्ता व्यवस्था करने के कड़े निर्देश दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त, राज्य कैबिनेट ने खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 के शेष (अतिशेष) धान को नीलामी के जरिए निराकरण करने के उपसमिति के प्रस्ताव को भी हरी झंडी दे दी है।

कृषक उन्नति योजना में बदलाव:

अब प्रति एकड़ मिलेगी आदान सहायता

मंत्रिपरिषद ने 'कृषक उन्नति योजना' के संशोधन प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इसके तहत अब धान फसल पर आदान सहायता राशि प्रति क्विंटल के बजाय प्रति एकड़ के मान से दी जाएगी।

कृषि मंत्री ने बताया कि इस बदलाव से किसानों को उनकी वास्तविक उपज कम होने की स्थिति में भी पूरा लाभ सुनिश्चित होगा। यह राशि उन्नत बीज, उर्वरक, आधुनिक कीटनाशक और कृषि यंत्रीकरण में निवेश को गति देगी, जिससे किसानों की आय और फसल विविधीकरण को सीधा प्रोत्साहन मिलेगा।

इस पत्रकार वार्ता में भाजपा प्रदेश महामंत्री डॉ. नवीन मार्कंडेय, किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष आलोक सिंह ठाकुर तथा प्रदेश प्रवक्ता नलिनीश ठोकने मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

रायपुर : निगम की लापरवाही से दलदल सिवनी के साईं अपार्टमेंट में जलभराव से आवागमन हुआ अवरुद्ध



स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का भी बना हुआ है खतरा

निदान ऐप पर की जा चुकी है शिकायत।

रायपुर। रायपुर स्थित दलदल सिवनी में साईं विहारअपार्टमेंट के मेन रोड में निगम द्वारा बनाये गए बड़े नाली के रखरखाव सही से ना

होने के कारण कचरा जाम होने से साईं विहार अपार्टमेंट में पूरे परिसर पर जल भराव की स्थिति है। जिससे वहां के रहवासियों को आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का खतरा भी बना हुआ है। वहीं लगातार बारिश से जल भराव बढ़ता जा रहा है। निदान ऐप पर शिकायत की गई है। लेकिन अभी तक निगम द्वारा रहवासियों की परेशानी के निदान के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। रायपुर शहर के कई इलाकों में यही हाल है। आम जनता को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस परिस्थिति में नगर निगम को जल्द ही कोई ठोस कदम उठाना होगा नहीं तो स्थिति बद से बत्तर होती जाएगी।

‘सीने में आग, मुँह में शक्कर, सिर में बर्फ और पैर में चक्कर रखने वाला ही सच्चा युवा’: सांसद बृजमोहन अग्रवाल



शकर, सिर में बर्फ और पैर में चक्कर हो। यदि 80 वर्ष के किसी व्यक्ति में भी ये चारों गुण मौजूद हैं, तो वह भी वास्तव में युवा है। यदि हम स्वयं को युवा मानते हैं, तो यह जज्बा हमारी सोच और आचरण दोनों में परिलक्षित होना चाहिए।

स्थानीय जरूरतें और ज़मीनी हकीकत समझना जरूरी- सोशल मीडिया के दौर में वैश्विक तुलना पर बोलते हुए सांसद ने कहा कि आज का युवा वैश्विक स्तर पर जुड़ा हुआ है। अक्सर हम सोचने लगते हैं कि जो व्यवस्था अमेरिका, जापान या



जर्मनी में है, वह तुरंत हमारे यहाँ क्यों नहीं लागू हो सकती? लेकिन ऐसा सोचते समय हमें भारत की विशाल आबादी और भौगोलिक विविधताओं को भी ध्यान में रखना होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि हिमाचल के पर्वतीय क्षेत्रों की ज़रूरतें अलग हैं और पोर्ट ब्लेयर के तटीय इलाकों को अलग। स्वयं छत्तीसगढ़ में ही सरगुजा, बस्तर और मैदानी क्षेत्रों की ज़मीनी परिस्थितियाँ, पर्यावरण और चुनौतियाँ एक-दूसरे से पूरी तरह भिन्न हैं।

विकास के विमर्श पर केंद्रित हो मतदान- श्री अग्रवाल ने नव-

अखंडता का संकल्प: सरदार पटेल और मजबूत भारत का सपना



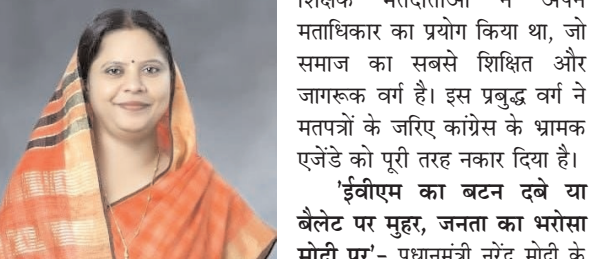
धनंजय राठौर संयुक्त संचालक, जनसंपर्क अशोक कुमार चन्द्रवंशी सहायक जनसंपर्क अधिकारी

भारत की पहचान उसकी विविधता और एकता में है। यहाँ अनेक भाषाएँ बोली जाती हैं, अलग-अलग संस्कृतियों और परंपराओं का पालन किया जाता है, फिर भी देशवासियों को एक सूत्र में बाँधने वाली भावना है-राष्ट्रीय एकता। यह एकता केवल देश की सीमाओं की रक्षा करने तक सीमित नहीं है, बल्कि इस बात से भी जुड़ी है कि हर नागरिक स्वयं को देश के साझा भविष्य का महत्वपूर्ण हिस्सा महसूस करे। हर वर्ष 31 अक्टूबर को लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया जाता है। यह दिवस हमें उनके ऐतिहासिक योगदान को याद करने के साथ-साथ आज के भारत में एकता, अखंडता और सामाजिक सद्भाव बनाए रखने की जिम्मेदारी का एहसास कराता है।

सरदार पटेल ने रखी एकीकृत भारत की मजबूत नींव- वर्ष 1947 में देश की स्वतंत्रता के समय भारत के सामने अनेक चुनौतियाँ थीं। अंग्रेजी शासन समाप्त होने के बाद देशी रियासतों को भारतीय संघ में शामिल करना एक बड़ी चुनौती थी। ऐसे समय में देश के पहले उपप्रधानमंत्री और गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने वी. पी. मेनन और अन्य

बैलेट पेपर से हुए MLC चुनावों में कांग्रेस का ‘शून्य’ पर सिमटना राहुल गांधी के पाखंड पर करारा तमाचा: रूपकुमारी चौधरी

चार राज्यों की 28 विधान परिषद सीटों पर कांग्रेस का खाता तक नहीं खुला भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष का सवाल: EVM का होवा खड़ा करने वाली कांग्रेस अब हार का ठीकरा किस पर फेंड़ेगी?



अब कांग्रेस नेतृत्व को यह स्पष्ट करना चाहिए कि बैलेट पेपर पर लड़े गए इन 28 चुनावों में मिली करारी शिकस्त की जिम्मेदारी वह किस पर डालेगी? क्या अब मतपेटी, स्याही या कागज बनाने वाली कंपनी पर सवाल खड़े किए जाएंगे?

प्रबुद्ध वर्ग ने खारिज किया कांग्रेस का एजेंडा- कर्नाटक का विशेष उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि वहां कांग्रेस की अपनी सरकार होने के बावजूद पार्टी का सूझपाट साफ हो गया। श्रीमती चौधरी ने रेखांकित किया कि इन चुनावों में खातक और

राज्यपाल रमेन डेका से मिले एयर ऑफिसर कमांडिंग नंदा कुमार बाला, नक्सल विरोधी समन्वय पर हुई चर्चा



जनता के गोट- रायपुर रायपुर, 29 अक्टूबर। छत्तीसगढ़ के राज्यपाल श्री रमेन डेका से गुरुवार को लोक भवन में एयर कमांडोर एवं एयर ऑफिसर कमांडिंग (हेडक्वार्टर एटी-नक्सल टास्क फोर्स) श्री नंदा कुमार बाला ने सौजन्य भेंट की। इस शिष्टाचार मुलाकात के दौरान राज्य में सुरक्षा परिदृश्य, नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में अभियानों की स्थिति तथा सुरक्षा बलों के बीच आपसी समन्वय को लेकर सकारात्मक चर्चा हुई। एयर ऑफिसर कमांडिंग ने राज्यपाल को कार्यबल की गतिविधियों और अभियानगत सहयोग की रूपरेखा से भी अवगत कराया। इस अवसर पर एटी-नक्सल टास्क फोर्स और भारतीय सशस्त्र बलों के वरिष्ठ अधिकारियों का एक प्रतिनिधिमंडल उपस्थित रहा। शिष्टमंडल में कैप्टन वैभव विशाल, रफ कैप्टन अभिजीत कुमार, कमांडर प्रियांशु, स्काइन लीडर अंकित सिंह, स्काइन लीडर विनय पाठक, लेफ्टिनेंट शशांक तथा लेफ्टिनेंट साई अक्षय शामिल थे। मुलाकात के दौरान राज्यपाल ने राज्य में शांति व सुशा व्यवस्था बनाए रखने में सुरक्षा बलों की भूमिका की सराहना की।